प्रेरणास्त्रोत: स्व. डॉ. एलसी वालिया

@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हरियाणा वाटिका

लोहारू से प्रकाशित सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 178 पृष्ठ: 08, मूल्य: रु. 1.00 मंगलवार, 06 मई 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

पानी पर पंजाब ओछी राजनीति न करे: मुख्यमंत्री नायब सिंह

इससे पहले भी एसवाईएल मुद्दे पर पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पानी के मुद्दे पर पंजाब ओछी राजनीति कर रहा है। इससे पहले भी एसवाईएल मुद्दे पर पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया और सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को दर किनार किया। पानी प्राकृतिक स्त्रोत है और यह देश की धरोहर है। आज भी हरियाणा के हिस्से का पीने का पानी न देने पर मान सरकार ने पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया, जो अनैतिक है और भारतीय संघीय ढांचे के खिलाफ है। मुख्यमंत्री आज हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक के उपरांत पत्रकारों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज पंजाब विधानसभा में पारित प्रस्ताव सिख समाज के दसो गुरुओं द्वारा दिखाए मार्ग के खिलाफ है। मान सरकार को गुरुओं के वचन को निभाना चाहिए और बिना शर्त पानी छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व आप पार्टी इंडी गठबंधन का हिस्सा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बाबा साहिब के पवित्र संविधान का सम्मान करें। संविधान की पुस्तक गांव गांव लेकर घूमते है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब विधानसभा में पारित प्रस्ताव की

हरियाणा मंत्रिमंडल ने घोर निंदा की है। उन्होंने कहा कि 1966 से पहले पंजाब व हरियाणा एक ही था। मान साहब इस प्रकार की छोटी राजनीति छोडकर विकास की राजनीति को अपनाए और पंजाब के लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं पर ध्यान दे। उन्होंने कहा कि पंजाब में जो भी राजनीतिक दल रहे है पंजाब के लोगों ने एक -एक को जवाब दिया है। मुख्यमंत्री ने मान सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि जिस प्रकार पंजाब के लोगों ने कांग्रेस को लाइन में खडा कर दिया उसी प्रकार आप को भी खडा कर देंगे। आज पंजाब विधानसभा में बीबीएमबी को भंग करने के सम्बंध में पारित किए गए प्रस्ताव पर पुछे गए एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि बीबीएमबी लोकसभा से पारित एक स्वायत निकाय है और केंद्र सरकार के अधीन है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार न तो सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को मानता, न संविधान को मानता और भारतीय संघीय ढांचे की अवेहलना करता है। एक सिस्टम है उस पर देश चलता है। उन्होंने पंजाब के नेताओं से आग्रह किया है कि गुरुओं ने जो रास्ता दिखाया उस पर मान सरकार को चलना चाहिए। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी, सूचना, जनसम्पर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक के.एम पांडुरंग, मीडिया सचिव प्रवीण अत्रे भी उपस्थित रहे।

नई गौशालाओं की भूमि की खरीद या बिक्री के लिए डीड दस्तावेजों पर लगने वाले स्टाम्प शुल्क को माफ करने को दी स्वीकृति

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य में नई गौशाला के लिए भूमि की खरीद या बिक्री के लिए डीड दस्तावेजों पर लगने वाले स्टाम्प शुल्क को माफ करने को स्वीकृति प्रदान की गई। गौरतलब होगा कि वर्ष 2019 में पंजीकृत गौशाला, ट्रस्ट सोसायटी के पक्ष में निष्पादित भूमि की खरीद या दान की गई जमीन पर स्टाम्प डयूटी को 5 प्रतिशत से घटाकर 1 प्रतिशत कर दिया गया था।

गौसेवा आयोग, पंचकूला के अनुरोध पर मुख्यमंत्री ने 7 अगस्त, 2024 को पंजीकृत गौशाला की जमीन के लिए स्टाम्प डयूटी को माफ करने की घोषणा की थी, जिसे आज मंत्रिमण्डल की बैठक में मंजूरी दी गई। अब गौ-सेवा के हित में नई गौशाला के लिए, पंजीकृत गौशाला, ट्रस्ट सोसायटी के पक्ष में निष्पादित भूमि की खरीद या दान के दस्तावेजों पर अनुसूची 1-ए के अनुच्छेद 23 (ए) और 33 के तहत प्रभार्य स्टाम्प ड्यूटी निम्नलिखित शर्तों के साथ माफ कर दी जाएगी अर्थात पंजीकृत गौशाला, सोसायटी, ट्रस्ट गौशाला, सोसायटी, ट्रस्ट के किसी भी सदस्य के व्यक्तिगत लाभ के उद्देश्य से काम नहीं करेगा। पंजीकृत गौशाला, सोसायटी, ट्रस्ट अपना काम ऐसे नियमों और शर्तों के अनुसार करेंगे, जो हरियाणा गौ सेवा आयोग या पशुपालन विभाग, हरियाणा द्वारा लगाए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने प्लॉट के आवंटन प्रक्रिया का किया शुभारंभ

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने हर गरीब व जरूरतमंद के सिर पर छत मुहैया करवाने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करते हुए आज मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के दूसरे चरण के तहत 537 ग्राम पंचायतों और 24 महाग्राम पंचायतों में 1.58 लाख आवेदकों के लिए प्लॉट के आवंटन प्रक्रिया का शुभारंभ किया। आज यहां हरियाणा सिविल सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने अपने संकल्प पत्र में वायदा किया था कि प्रदेश में शहरों और गांवों में गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। हमारी डबल इंजन की

सरकार लगातार इस दिशा में कदम बढ़ा रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर परिवार को पक्का मकान उपलब्ध करवाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना चलाई है। इसे और गति देते हुए हरियाणा में मुख्यमंत्री आवास योजना क्रियान्वित की जा रही है। जहाँ मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश सरकार द्वारा गरीब लोगों को प्लाट उपलब्ध करवाए जा रहे हैं, वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकान बनाने के लिए वित्तीय सहायता भी दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के तहत पहले चरण में 61 ग्राम पंचायत और एक महाग्राम पंचायत में ड्रॉ के माध्यम से 4532 लाभार्थियों को प्लॉट आवंटित किए गए।

पानी का मामला चढ़ गया है राजनीति की भेंट: रामपाल माजरा

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

सोमवार को पंजाब द्वारा हरियाणा को भाखड़ा का 9 हजार क्यसेक पानी न दिए जाने और पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा भाखड़ा के गेट पर गैरकानूनी तरीके से ताला जड़ने व पुलिस की तैनाती करने के विरोध में इनेलो पार्टी ने सडकों पर उतर कर जोरदार धरना प्रदर्शन किया और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की प्रतिकात्मक शव यात्रा भी निकाली। अंबाला जोन के 7 जिलों कैथल में प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा, कुरुक्षेत्र

में राष्ट्रीय वरिष्ठ उपप्रधान शेर सिंह बडशामी, अंबाला में प्रधान महासचिव प्रकाश भारती, यमुनानगर में पूर्व विधायक दिलबाग सिंह, पानीपत में विधायक अदित्य देवीलाल, करनाल में महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला और पंचकुला में सतबीर सैनी की अगुवाई में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद सभी उपायुक्तों को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में इनेलो के पदाधिकारियों, कार्यकताओं समेत भारी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। कल 6 मई को हिसार जोन के 7 जिलों और परसों 7 मई को गुरुग्राम के 8 जिलों में भी प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा, विधायक आदित्य चौटाला, महिला विंग की प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला, प्रधान महासचिव प्रकाश भारती सहित बड़े नेताओं की अगुवाई में अलग-अलग जिलों में किया जाएगा प्रदर्शन और डीसी को सौंपेंगे ज्ञापन। रामपाल माजरा ने कहा कि दिल्ली में लोगों ने आम आदमी पार्टी का सफाया कर दिया है और पंजाब में भी आप पार्टी सरकार की हालत बेहद खराब हो चुकी है। पंजाब में अपना सूपड़ा साफ होता देख लोगों की भावनाओं को अपने पक्ष में करने के लिए आप पार्टी सरकार ने यह कदम उठाया है और संघीय ढांचे को नकार कर अराजकता फैलाने का काम किया है।

अग्निवीरों के शहीद होने पर हरियाणा सरकार देगी 1 करोड़ अनुग्रह राशि

चंडीगढ़ : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में युद्ध में शहीद हुए सैनिकों (अग्निवीर) के परिवारों को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि तथा हरियाणा के वीरता/विशिष्ट पुरस्कार विजेताओं (अग्निवीर) को एकमुश्त नकद पुरस्कार देने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार युद्ध में शहीद हुए डिफेंस तथा पैरामिलिटरी फोर्सिज सैनिकों के परिवारों को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान करती है तथा अब अग्निवीरों को भी यह लाभ देने का निर्णय लिया है।

दयालु योजना के 2286 लाभार्थियों के खाते में ट्रांसफर की 86.93 करोड़

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की हर गरीब परिवार को सामाजिक व आर्थिक रूप से उन्नत बनाने की सोच है। इसके लिए मुख्यमंत्री न सिर्फ निरंतर जन कल्याणकारी योजनाएं बना रहे हैं बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर भी पूरा कर रहे हैं। यही नहीं मुख्यमंत्री विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वयं डीबीटी के माध्यम से राशि पहुंचाने का काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ से 2286 लाभार्थियों के खाते में 86.93 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर की। उल्लेखनीय है कि अंत्योदय परिवारों में परिवार के कमाने वाले

मुखिया की दुर्घटना में मौत हो जाने पर उन्हें ढांढस बंधाने व परिवार को आर्थिक मदद देने के लिए हरियाणा सरकार ने 1 अप्रैल 2023 से दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु) योजना शुरू की थी।

इस योजना के तहत अब तक 28644 लाभार्थियों को एनपीसीआई के माध्यम से डिजिटल रूप से उनके आधार से जुड़े बैंक खाते के माध्यम से 1076.275 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता पहले ही भेजी जा चुकी है देश में अपनी तरह की हरियाणा की इस अनूठी योजना के तहत 6 वर्ष से अधिक और 60 वर्ष तक के व्यक्ति की दुर्घटना में या अकाल मृत्यु होने पर आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसमें 6 से 12 वर्ष तक की आयु के बच्चे की मृत्यु होने पर परिवार को 1 लाख रुपये, 12 से 18 वर्ष की आयु तक के किशोर की मौत होने पर 2 लाख रुपये, 18 से 25 आयु तक के युवक की मौत होने पर 3 लाख रुपये, 25 से 50 आयु तक के (जो आमतौर पर परिवार का मुखिया होता है और कमाने वाला होता है)>

पंजाब सरकार जानबूझकर पैदा कर रही जल संकट: हुड्डा

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि प्रदेश में प्राकृतिक नहीं बल्कि पंजाब सरकार द्वारा जल संकट पैदा किया जा रहा है। उनका यह कदम पूरी तरह संघीय ढांचे के विपरीत, असंवैधानिक, अनैतिक और अमानवीय है। किसी भी प्रदेश सरकार के पास, दूसरे प्रदेश के पानी को रोकने का अधिकार नहीं है। हरियाणा कोई अतिरिक्त मात्रा नहीं बल्कि सिर्फ अपने हक का पानी मांग रहा है, जो लगातार कई साल से उसे मिलता आ रहा है। लेकिन पंजाब सरकार अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए बेवजह हरियाणा के साथ तनाव पैदा कर रही है।

हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जल बंटवारे के मुद्दे पर प्रदेश सरकार को सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने पूर्ण समर्थन का ऐलान किया है। प्रदेश सरकार अगर हरियाणा के हक में कोई भी उचित कदम उठाएगी तो कांग्रेस उसका समर्थन करेगी। साथ ही कांग्रेस ने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की भी मांग की है। कांग्रेस चाहती है कि जनता को जल संकट से बचाने के लिए पंजाब सरकार पर दबाव बनाया जाना चाहिए। इसके लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को प्रधानमंत्री से मुलाकात करवानी चाहिए। केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करके हरियाणा को उसके हक का पानी दिलाना चाहिए। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बॉर्ड यानी बीबीएमबी के तमाम बड़े पदों पर पंजाब के अधिकारी बैठे हैं और हरियाणा सरकार की पैरवी करने वाला कोई नहीं है।

इसी का नतीजा अब प्रदेश भुगत रहा है। कांग्रेस कार्यकाल के दौरान प्रदेश को अपने हिस्सा का पूरा पानी मिलता था। क्योंकि भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड में कांग्रेस हरियाणा की पूरी भागीदारी सुनिश्चित करती थी। इसमें हरियाणा से तीन-तीन सदस्य होते थे। विशेष तौर पर सिंचाई विभाग के अधिकारी को बीबीएमबी का सदस्य नियुक्त किया जाता था। कांग्रेस सरकार द्वारा बोर्ड में लगातार एसडीओ और जूनियर इंजीनियर्स की नियुक्तियां की जाती थीं। बोर्ड में कायदे से सुपरिटेंडेंट इंजीनियर हरियाणा से होना चाहिए। लेकिन बीजेपी सरकार के दौरान उसकी नियुक्ति ही नहीं की गई। जब हरियाणा के लोग ही बोर्ड में नहीं होंगे तो हमारे अधिकार की बात कौन करेगा।

मंत्रिमंडल ने वर्ष 2025-27 के लिए आबकारी नीति को दी मंजूरी

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता आज यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में वर्ष 2025-27 के लिए आबकारी नीति को मंजूरी दी गई। इस नीति में प्रमुख संरचनात्मक सुधार करते हुए आबकारी नीति वर्ष को अब वित्त वर्ष के साथ जोड़ा जाएगा। यह नीति 12 जून 2025 से 31 मार्च 2027 तक यानि 21.5 महीनों के लिए लागू होगी, जिसके बाद भविष्य की सभी नीतियाँ अप्रैल से मार्च वित्त वर्ष के अनुसार संचालित होंगी। इस नीति के तहत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकार ने 14,064 करोड़ रुपये के राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में आबकारी एवं कराधान विभाग ने 12,650 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 12,700 करोड़ रुपये का संग्रहण कर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इस नीति के तहत अब जिन गांवों की आबादी 500 या उससे कम है, वहां कोई भी उप-विक्रय केंद्र (सब-वेंड) स्थापित नहीं किया जाएगा। यह कदम जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इस नीति के लागू होते ही राज्य भर में 152 मौजूदा उप-विक्रय केंद्र बंद हो जाएंगे। नई नीति में शराब के प्रचार-प्रसार पर भी सख्त पाबंदियां लगाई गई हैं। अब सभी प्रकार के विज्ञापन, चाहे वे लाइसेंस प्राप्त क्षेत्र के भीतर ही क्यों न हों, स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित होंगे। यदि इनका कोई उल्लंघन होता है तो पहली बार उल्लंघन करने पर 1 लाख रुपये, दूसरी बार 2 लाख रुपये और तीसरी बार उल्लंघन करने पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगेगा। इसके बाद कोई भी उल्लंघन एक गंभीर चूक माना जाएगा, जिससे आवंटित जोन को रद्द करने की कार्यवाही की जा सकती है। नीति में टैवर्न (छ-52) के संचालन के दिशा-निर्देशों को भी सख्त किया गया है। अब टैवर्न केवल विभाग द्वारा स्वीकृत बंद परिसरों में ही संचालित हो सकेंगे और वे राहगीरों को दिखाई नहीं देने चाहिए। टैवर्न में लाइव सिंगिंग, डांसिंग या नाटकीय प्रदर्शन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।

शहरी क्षेत्रों में शराब के विक्रय केंद्र सुबह 4:00 बजे के बाद नहीं खुल सकेंगे, जबकि पहले यह सीमा सुबह 8:00 बजे तक थी।

कार्यक्रमों के लिए अस्थायी लाइसेंस (छ-12ए और छ-12ए-3) प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल किया गया है। बिना पंजीकृत व्यावसायिक स्थलों जैसे बैंक्वेट हॉल्स में एक दिन के लाइसेंस के लिए, विशेष रूप से गुरुग्राम, फरीदाबाद और पंचकूला जैसे शहरी क्षेत्रों में, अधिक शुल्क लिया जाएगा।

हरियाणा को एआई हब बनाने के लिए दी परियोजना को मंजूरी

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में वर्ष 2025-2028 की अवधि के लिए हरियाणा एआई विकास परियोजना (एचएआईडीपी) को मंजूरी दी गई, जिस पर 474.39 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मंत्रिमंडल ने बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए एक विशेष प्रयोजन संस्था के गठन को भी मंजूरी दी।

एचएआईडीपी की परिकल्पना हरियाणा को एआई-सक्षम विकास के लिए क्षेत्रीय केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए एक रणनीतिक हस्तक्षेप के रूप में की गई है। इस परियोजना को तीन वर्षों (2025-2028) की अवधि में विश्व बैंक से तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ कार्यान्वित करने का प्रस्ताव है। इस पर कुल खर्च 474.39 करोड़ रुपये होगा, जिसमें विश्व बैंक और हरियाणा सरकार के बीच 70:30 का वित्त पोषण अनुपात होगा। हरियाणा एआई विकास परियोजना (एचएआईडीपी) के प्रमुख घटकों में गुरुग्राम में ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर (जीएआईसी) और पंचकूला में हरियाणा एडवांस्ड कंप्यूटिंग फैसिलिटी (एचएसीएफ) जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की स्थापना शामिल है। यह परियोजना एआई, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस में 50,000 से अधिक पेशेवरों के लिए कौशल विकास और कार्यबल परिवर्तन पर भी ध्यान केंद्रित करेगी। अतिरिक्त उद्देश्यों में सार्वजनिक प्रशासन और डेटा-संचालित सेवा वितरण में एआई का एकीकरण, इनक्यूबेशन, मेंटरिंग और साझा कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे तक पहुंच के माध्यम से स्टार्ट-अप और आरएंडडी के लिए समर्थन; और एआई डोमेन में सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देना शामिल है।

किसानों के साथ खड़ी नायब सरकार, आगजनी की घटनाओं के कारण प्रभावित फसलों के नुकसान के लिए किसानों को मिला मुआवजा

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा सरकार ने किसान कल्याण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए एक बार फिर किसान हित में कदम उठाते हुए प्रदेशभर में गत दिनों हुई आगजनी की घटनाओं के कारण फसलों के नुकसान को लेकर किसानों को मुआवजा राशि जारी की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज हरियाणा सिविल सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के 17 जिलों (अंबाला, मेवात, पलवल, फरीदाबाद और पंचकूला को छोड़कर) के 151 किसानों के खातों में लगभग 324 एकड़ क्षेत्र के लिए लगभग 86.96 लाख रुपये जारी किए। यह राशि समानुपात रूप से राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर यह भी बताया कि जिन किसानों की फसल आगजनी से जली है उनको सरकार द्वारा अगली फसल की बुवाई के लिए खाद और बीज

मुफ्त दिए जाएंगे।

हरियाणा के इतिहास में पहली बार फसलों में हुई आगजनी का मुआवजा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा भी दिया जा रहा है। ऐसे में किसानों को सामान्य तौर पर मिलने वाले मुआवजे से इस बार डबल मिल रहा है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारी सरकार हमेशा किसान के उत्थान और उसके हित में कार्य कर रही है। किसान हमारे अन्नदाता है और उन्हें किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों खेतों में बड़ी संख्या में आग की घटनाओं के कारण राज्य में 2025 सीजन की रबी फसल को हुए नुकसान की सूचना मिली। इसे देखते हुए हमारी सरकार ने संबंधित किसानों से नुकसान के दावे प्राप्त करने के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने का निर्णय लिया। इसके बाद, राजस्व विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों को दावों का तुरंत सत्यापन करने और अपनी रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड करने के भी निर्देश दिए गए।

राज्य सरकार द्वारा रबी सीजन 2023 से प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल के नुकसान से संबंधित मुआवजे के दावों को प्राप्त करने और सत्यापित करने के लिए "मेरी फसल मेरा ब्यौरा" पोर्टल के माध्यम से ई-फसल क्षतिपूर्ति पोर्टल चलाया जा रहा है। इस पोर्टल पर किसान स्वयं अपनी फसल के नुकसान का दावा प्रस्तुत करते हैं और निर्धारित मानदंडों के अनुसार उचित प्रक्रिया के बाद ऑनलाइन मोड के माध्यम से मुआवजे का भुगतान किया जा रहा है। इस ऑनलाइन प्रक्रिया ने मुआवजे के दावे की पूरी प्रक्रिया को सरल बनाने के साथ-साथ पारदर्शी बनाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सही समय पर दिया जाएगा पाकिस्तान को करारा जवाब: राज्यसभा सांसद किरण चौधरी

-पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पानी पर कर रहे हैं वोट की राजनीति : राज्यसभा सांसद किरण चौधरी

अमित वालिया, लोहारू

राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने कहा कि पहलगांव में पाकिस्तान ने जो कायराना हरकत की है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उसका सही समय पर करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पानी पर वोट की राजनीति कर रहे हैं। पानी पर हरियाणा का भी हक है इसलिए हरियाणा के हक का बूंद-बूंद पानी लाया जाएगा। किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। क्षेत्र में पानी की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा के विकास में प्रत्येक वर्ग के हित में अनेक पारदर्शी फैसले लिए आज जिनका दूसरे राज्य भी अनुसरण कर रहे हैं। ऐसे पूर्व मुख्यमंत्री के दीघार्यु के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि रक्तदान पुण्य का कार्य है तथा इसे महादान माना गया है। रक्त की एक-एक बूंद जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रक्तदान करने में सदैव आगे आना चाहिए। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के जन्म दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को सम्मानित करने के उपरांत कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। रक्तदान शिविर में 35 से अधिक रक्त की यूनिट एकत्रित किया गया। उन्होंने कहा कि

हरियाणा सरकार ने किसान हित को सर्वोपरि मानते हुए 24 फसलों पर एमएसपी पर खरीदी जा रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार हरियाणा के हक का पानी रोक कर वहां के किसानों को खुश करना चाहती हैं। परंतु पंजाब के किसान यह सब जानते है। समय आने पर इसका हिसाब चुकता करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है। भारत वर्ष 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में आएगा। इसके लिए प्रधानमंत्री सकारात्मक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरे पिता सेना के अधिकारी थे और मैं उनकी बेटी होने के नाते सेना के सैनिकों व उनके परिवारों से हर दम व कदम पर साथ खड़ी हूं। मेरे पिताजी ने 1971 की लड़ाई में योगदान दिया था। तोशाम, लोहारू उनका अपना घर है और परिवार मानती हैं इसलिए क्षेत्र में किसी भी क्षेत्र में बिजली, पानी की कमी नहीं रहने दी जाएगी। राज्यसभा सांसद का कार्यकताओं ने पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डा.रघुवीर सिंह शांडिल्य, डॉ गौरव चतुवेर्दी, डॉ संदीप यादव, तहसीलदार कृष्ण कुमार, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी व अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ग्लोब टोयोटा ने करनाल से निलोखेड़ी तक सफल माइलेज रैली का आयोजन किया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

करनाल, 05 मई। ग्लोब टोयोटा करनाल द्वारा रविवार को एक रोमांचक और जानकारीपूर्ण माइलेज रैली का सफल आयोजन किया गया। यह रैली ग्राहकों को करनाल से निलोखेड़ी तक 57 किलोमीटर की वास्तविक ड्राइविंग परिस्थितियों में अपनी टोयोटा गाड़ियों की माइलेज परखने का अवसर प्रदान करती है। इस रैली की शुरूआत ग्लोब टोयोटा करनाल शोरूम (पीटीसी मधुबन के सामने, ग्रैंड ट्रंक रोड) से हुई, और इसका मार्ग शहर की सड़कों, ट्रैफिक क्षेत्रों और खुले हाईवे का संतुलित मिश्रण था–जिससे यह दैनिक ड्राइविंग अनुभव का सटीक प्रतिबिंब बना। रैली शुरू होने से पहले सभी प्रतिभागियों को ईंधन दक्षता बढ़ाने के टिप्स और ड्राइविंग दिशानिदेर्शों से अवगत कराया गया। इस आयोजन की अगुवाई ग्लोब टोयोटा के ग्रुप मार्केटिंग हेड, श्री आशु मिस्सर ने की। उन्होंने न केवल प्रतिभागियों से संवाद किया बल्कि उन्हें व्यावहारिक सुझाव भी दिए और ग्लोब टोयोटा के ग्राहक-केन्द्रित दृष्टिकोण को साझा किया।

रैली के समापन पर, श्री आशु मिस्सर द्वारा विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर श्री विक्रम सहगल ने अपनी टोयोटा हाईराइडर हाइब्रिड गाड़ी में 40.3 किमी/लीटर की शानदार माइलेज हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। इस आयोजन का संचालन ग्लोब टोयोटा के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, श्री विवेक दत्ता के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने कहा, "यह पहल हमारे ग्राहकों को शोरूम से बाहर निकलकर ब्रांड से जुड़ने का एक नया और प्रभावी तरीका प्रदान करती है। करनाल में मिली प्रतिक्रिया उत्साहवर्धक है और हम भविष्य में हरियाणा व पंजाब के अन्य शहरों में भी ऐसी रैलियों के आयोजन की योजना बना रहे हैं ह्वइस माइलेज रैली ने शिक्षा, अनुभव और सहभागिता का सुंदर संगम प्रस्तुत किया, जो ग्लोब टोयोटा की नवाचार, स्थिरता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया ने डॉ विनोद कुमार को चंडीगढ़ संयोजक की सौंपी जिम्मेदारी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

चंडीगढ़/दिल्ली, 05 मई। वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया की केन्द्रीय समिति ने डॉ विनोद कुमार शर्मा को यूनियन की संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़ यूनिट के संयोजक पद पर मनोनीत के लिए चुना हैं। उन्हें इस पद पर चंडीगढ़ में केंद्रीय प्रतिनिधि के रूप में कार्यों का संपादन करना होगा और इस संदर्भ में समय समय पर केन्द्रीय समिति द्वारा जारी निदेर्शों, नीतियों व संगठन का प्रचार प्रसार और मजबूत करने के दायित्व भी सौंपा गया है। डॉक्टर विनोद कुमार शर्मा ने यह सुनिश्चित किया कि वे संस्था के प्रति सदैव समर्पित रहेंगे ।

इस आशा और विश्वास के साथ वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया ने अपेक्षा की हैं कि डॉ विनोद कुमार शर्मा अपने पद, प्रतिष्ठा एवं अपने कर्तव्यों का सदैव कुशलता पूर्वक निर्वहन करते रहेंगे। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया के पदाधिकारी एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जल्द ही चंडीगढ़ इकाई का गठन किया जाएगा।

राष्ट्र हित के लिए जरूरी है एक देश एक चुनाव : रोजी मलिक

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

करनाल, 05 मई। एक देश एक चुनाव में आम जनमानस की सहमति बनाने के विषय को लेकर विचार-विमर्श हेतु भाजपा जिला कार्यालय कर्ण कमल में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित सभी कार्यकताओं को एक देश एक चुनाव कुरूक्षेत्र विभाग जिसमें करनाल, कुरूक्षेत्र, कैथल व पानीपत जिला आते हैं कि प्रभारी रोजी मलिक का मार्गदर्शन मिला। कुरूक्षेत्र विभाग प्रभारी रोजी मलिक ने उपस्थित सभी को कहा कि एक देश एक चुनाव से होने वाले लाभ की आप सभी को जानकारी दें। उन्होंने कहा कि इससे न केवल राजकोष की बचत होगी अपितु इससे कालेधन पर लगाम भी लगेगी इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अकसर चुनाव के दौरान विकास कार्यों में रूकावट आ जाती है क्योंकि चुनाव के समय राज्यों में आचार संहिता लागू हो जाती है और यह परिणाम जारी होने तक लागू रहती है। ऐसे में इससे विकास परियोजनाओं में देरी होती है। एक देश-एक चुनाव में ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय देशभर में फोर्स से लेकर विभिन्न सरकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगती है। इससे उनके सरकारी काम में भी व्यवधान होता है। ऐसे में साल में एक ही बार में इस तरह की आवश्यकता पड़ेगी और इससे संसाधनों में बचत होगी। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि पहले भी वर्ष 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव एक साथ हो चुके हैं। हालांकि, इसकेबाद यह परंपरा कायम नहीं रह सकी। अब फिर एक देश और एक चुनाव की मांग जोर पकड़ती जा चुकी है । इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर, कुरूक्षेत्र विभाग संयोजक डा राजबीर आर्य,सह संयोजक अजीत चहल ने भी अपने विचार रखे। बैठक में सांसद प्रतिनिधि कविन्द्र राणा, पूर्व जिला महामंत्री सुनील गोयल, जिला मीडिया प्रभारी डा अशोक कुमार,आई टी प्रमुख विकास कथुरिया, कार्यालय इंचार्ज मदन गुर्जर,अलका चौधरी,मीनू चावला,अनिल मदान सहित करनाल जिला के सभी मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री मौजूद रहे।

बैठक में सामूहिक कल्याण की आवश्यकता पर दिया बल

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद

मारकंडा, 05 मई। सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन, शाहाबाद मारकंडा द्वारा निजी होटल में जी.टी. रोड पर प्रथम पारिवारिक सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पारिवारिक एकता और अंतर-पीढ़ी संवाद का एक अनूठा उदाहरण रहा। चंदर मोहन कोहली अध्यक्ष एसोसिएशन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा अपने संबोधन में परिवारिक मूल्यों की महत्ता और सामूहिक कल्याण की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन का उदेश्य हम एक परिवार पूरे कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई, जिससे एकता और अपनत्व की भावना को मजबूती मिली। इस अवसर की विशेष बात यह रही कि युवा पीढ़ी ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम में नई ऊर्जा का संचार किया और वरिष्ठ नागरिकों के साथ मिलकर इस आयोजन को एक पारिवारिक उत्सव का रूप दे दिया। अमरनाथ शर्मा ने मंच का संचालन अत्यंत कुशलता व गरिमा के साथ किया, जिससे कार्यक्रम की गतिविधियाँ अत्यंत सुव्यवस्थित और प्रभावशाली रही। एसोसिएशन इस प्रथम पहल की सफलता के लिए सभी परिवारों एवं सहभागियों का हृदय से आभार प्रकट करती है। यह सम्मेलन इस बात का प्रतीक रहा कि जब पीढ़ियाँ साथ आती हैं, तो परंपराएँ जीवित रहती हैं और संबंध और अधिक सशक्त बनते हैं।

भारत में पहली बार 25 सप्ताह में जन्मीं त्रिदेवी' नवजात बालिकाएं सकुशल घर पहुंचीं

जन्म के समय मात्र 50% जीवित रहने की संभावना थी, अमृता अस्पताल ने 225 दिनों की गहन देखभाल के बाद बिना किसी जटिलता के सुनिश्चित की स्वस्थ वापसी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

पलवल, 05 मई। जन्म के समय इन तीनों नवजात बच्चियों का कुल वजन एक सामान्य पूर्णकालिक शिशु से भी कम था। अमृता अस्पताल, फरीदाबाद ने भारत में नवजात देखभाल के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए, मात्र 5.5 माह की गर्भावस्था में जन्मीं तीन नवजात बालिकाओं को सफलतापूर्वक अस्पताल से छुट्टी दे दी दी है। इन नवजातों का कुल वजन केवल 2.5 किलोग्राम था और ये जन्म के बाद लंबे समय तक निसु में गहन निगरानी में रहीं। अस्पताल की विशेषज्ञ टीम ने 225 दिनों तक इन तीनों शिशुओं की उच्च जोखिम वाली देखभाल की, और यह सुनिश्चित किया कि इस दौरान किसी भी तरह की चिकित्सकीय जटिलता न हो- न तो कोई अस्पताल में हुआ संक्रमण, न ही मस्तिष्क में रक्तस्राव, और न ही कोई दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्या। यह भारत में अपनी तरह का पहला दर्ज मामला है, जब इतनी कम अवधि में जन्मे और इतने कम वजन वाले तीन नवजात जीवित रह सके हों। गर्भावस्था की शुरूआत से ही यह मामला असाधारण था। मां, जो कि एक 46 वर्षीय विश्वविद्यालय प्रोफेसर हैं, ने दीर्घकालीन गर्भधारण की चुनौती के बाद प्राकृतिक रूप से तीन नवजातों को गर्भधारण किया और तीसरी तिमाही तक सफलतापूर्वक ले गईं। अंतिम हफ्तों में मां की तबीयत कई संक्रमणों के कारण बिगड़ने लगी और उन्हें भी गहन चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता पड़ी। नवजातों का जन्म क्रमशः 900 ग्राम, 800 ग्राम और 800 ग्राम के वजन के साथ हुआ यह सभी वजन भारत में जीवित रहने की सामान्य सीमा से काफी नीचे माने जाते हैं। भारत में 25 सप्ताह पर जन्मे किसी भी एकल बच्चे के जीवित रहने की संभावना लगभग 50% मानी जाती है, जबकि इतनी कम कुल वजन के साथ तीन नवजातों का जीवित रहना असंभव ही समझा जाता है। फिर भी, इन तीनों शिशुओं की चिकित्सकीय यात्रा उल्लेखनीय रूप से स्थिर रही। वरिष्ठ नियोनेटोलॉजिस्ट डॉ. हेमंत शर्मा के नेतृत्व में छह डॉक्टरों और लगभग 20 निसु नर्सों की समर्पित टीम ने लगातार शिफ्टों में काम करते हुए इन नवजातों को व्यक्तिगत और निरंतर देखभाल प्रदान की। उल्लेखनीय रूप से, इनमें से किसी भी शिशु को यांत्रिक वेंटिलेशन की आवश्यकता नहीं पड़ी - जो इस उम्र में एक असाधारण बात है। केवल एक शिशु को सतही सर्फेक्टेंट की एक खुराक और एक रक्त आधान दिया गया। सभी तीनों शिशुओं को जन्म के नौ घंटे के भीतर आहार देना शुरू कर दिया गया था और चौथे दिन तक वे पूरी तरह से मां के दूध पर आ गए जो कि अंतरराष्ट्रीय मानकों से भी तेज है। पूरे 225 दिनों की देखभाल के दौरान, तीनों नवजातों को किसी भी प्रकार का अस्पतालजनित संक्रमण नहीं हुआ और न ही मस्तिष्क में रक्तस्राव पाया गया। डॉ. हेमंत शर्मा, वरिष्ठ नियोनेटोलॉजिस्ट, अमृता अस्पताल, ने कहा, "ये तीन बेहद नन्हीं जानें थीं, जिन्हें हमारी टीम स्नेहपूर्वक 'त्रिदेवी' कहकर बुलाती थी। जन्म के समय इनका आकार और उम्र दोनों ही उम्मीद से बहुत कम थे। लेकिन फर्क यह पड़ा कि हमने बुनियादी देखभाल को बहुत गंभीरता से लिया - गैर-आक्रामक समर्थन, समय पर मां का दूध देना, और सतत निगरानी। हमारी पूरी टीम प्रत्येक दिन इनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रतिबद्ध रही। हालांकि मां को प्रसवोत्तर निमोनिया और अन्य जटिलताओं के चलते आईसीयू में भर्ती होना पड़ा, फिर भी उन्होंने नवजातों को मां का दूध उपलब्ध कराने का प्रयास जारी रखा जो इनकी पोषण संबंधी सफलता और प्रतिरक्षा का प्रमुख आधार रहा। आवश्यकता पड़ने पर डोनर मिल्क का भी सहारा लिया गया, जो यह दशार्ता है कि भारत में ह्यूमन मिल्क बैंकिंग की व्यवस्था को और मजबूत बनाने की कितनी आवश्यकता है। 46 वर्षीय मां, ज्योत्स्ना ने कहा, "मैं अमृता अस्पताल की पूरी टीम की अत्यंत आभारी हूं। मेरी बेटियों के जन्म के साथ ही मुझे यह विश्वास हो गया था कि वे सुरक्षित हाथों में हैं। डॉक्टरों और नर्सों ने न केवल अपने कौशल का परिचय दिया, बल्कि अपनी करुणा से भी हमें संबल दिया। जब मैं खुद बीमार थी, तब भी उन्होंने मुझे मेरे बच्चों से जुड़े रहने में मदद की, दूध निकालते रहने के लिए प्रोत्साहित किया, और हर कदम पर हमारा साथ दिया। हम बस आभार व्यक्त कर सकते हैं कि तीनों बेटियां अब स्वस्थ हैं और घर पर हैं।"

ब्राइट स्टूडेंट्स फेलिसिटेशन एवं करियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सतनाली, 05 मई। खंड के गांव राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डिगरोता में नवज्योति फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा ब्राइट स्टूडेंट्स फेलिसिटेशन एवं करियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गांव के सरपंच प्रतिनिधि डॉ अभिषेक शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नव ज्योति फाउंडेशन के प्रतिनिधि हिमांशु शर्मा की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली छात्रों को पुरस्कार वितरित किए गए। प्राचार्य सुरेश कुमार ने छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। गांव के सरपंच प्रतिनिधि डॉ अभिषेक शर्मा ने बच्चों के भविष्य को लेकर जागरूक किया तथा कहा कि ग्राम पंचायत की ओर से विद्यार्थियों को हर संभव सहयोग दिया जाएगा। नव ज्योति फाउंडेशन की टीम से हिमांशु शर्मा ने विद्यार्थियों को करियर गाइडेंस सत्र के माध्यम से भविष्य की योजना बनाने, विषय चयन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा विभिन्न क्षेत्रों में संभावनाओं पर मार्गदर्शन दिया।इस दौरान समस्त स्टाफबसहित फाउंडेशन के पदाधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

शिक्षा एवं संस्कार का अनूठा संगम वात्सल्य वाटिका : राज कुमार मक्कड़

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 05 मई। ब्रह्मा कॉलोनी स्थित वात्सल्य वाटिका में 21वां स्थापना दिवस मनाया गया।कार्यक्रम में डिसेबिलिटी हरियाणा के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार मक्कड़ मुख्य अतिथि, प्राध्यापक संजय कौशिक, कला परिषद हरियाणा कुरुक्षेत्र के निदेशक नागेंद्र शर्मा और वरिष्ठ भाजपा नेता राजकुमार सैनी विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी प्रदीप सैनी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत, सरस्वती वंदना एवं विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मुख्यातिथि ने कहा कि वात्सल्य वाटिका शिक्षा एवं संस्कार का अनूठा संगम है। इस परिसर से विद्या अर्जित कर चुके बालक बालिकाएं स्नातक व स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर-के देश विदेश के सरकारी, अर्द्ध सरकारी और निजी संस्थानों में रोजगार के साथ साथ समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। विशिष्ट अतिथि प्राध्यापक संजय कौशिक ने कहा कि वात्सल्य वाटिका ने समाज सेवा का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सेवा के आयामों की एक नई दिशा प्रदान की है जिनमें निशुल्क कोचिंग क्लास, बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या और नशा जैसी समाजिक बुराइयों के विरुद्ध समय समय पर आवाज बुलंद करते हुए समाज में जागरूकता लाई गई है। स्वामी हरिओम परिव्राजक ने सभी आगंतुकों को वात्सल्य वाटिका की गतिविधियों से अवगत करवाते हुए अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किया। वाटिका के सचिव कृष्ण पांचाल ने बताया कि संस्थापक व संचालक स्वामी हरिओम दास परिव्राजक के मार्गदर्शन में 5 मई 2005 को 5 बच्चों से शुरू की गई इस वाटिका में अब तक हजारों विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं।

कार्यक्रम में संत राजेंद्र सिंह, उपप्रधान ओम प्रकाश मित्तल, सुरेश जोशी, डॉ.पवन गुप्ता, डॉ. सुतेन्द्र गौड़, डॉ.ललित, डॉ.माणिक, गुलाब सिंह, शालू यादव, सुनीता रानी, सुमन बत्रा, राजकुमारी और अंजलि शर्मा सहित अन्य शामिल रहे।

गत तीन दिनों से मौसम की आंख मिचौली से तापमान में 10 से 12 डिग्री की गिरावट

कपास की फसल के लिए मौसम अनुकूल, अगले दो दिनों में मौसम रहेगा परिवर्तनशील

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 05 मई। लोहारू और आसपास के क्षेत्र में गत तीन दिनों से मौसम की आंख मिचौली से मौसम सुहावना हो गया है। तेज हवाओं के साथ हल्की बरसात ने कपास की फसल के लिए संजीवनी का काम किया है। गत दिनों के अधिकतम तापमान की बात की जाए तो अधिकतम तापमान 43 डिग्री तक पहुंच गया था। सोमवार को आसमान में दिनभर मौसम की आंख मिचौली कपास की फसल के लिए कारगर साबित हो रही है। कपास के जो पौधे अधिक तापमान के कारण मुरझाने लगे थे एक बार उनमें नई जान आ गई है। अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से लुढक कर 30 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है जो कपास के फसल के लिए उपयुक्त है।

कृषि अधिकारी डॉ. विनोद सांगवान ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा मौसम को लेकर एडवाइजरी जारी की है। हरियाणा राज्य में मौसम आमतौर पर 7 मई तक परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान उत्तर पूर्वी हवाएं चलने की संभावना है। राज्य में इस दौरान राज्य के ज्यादातर क्षेत्रों में कहीं-कहीं बूंदाबांदी व हल्की बारिश की भी संभावना है जिससे विशेषकर दिन के तापमान में गिरावट बने रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि मौसम के परिवर्तनशील होने के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है तापमान एकदम से लुढक कर 30 डिग्री पर आ गया जो विगत सप्ताह में 42 से 43 डिग्री अधिकतम बना हुआ था। उन्होंने बताया कि गत सप्ताह में तापमान के अधिक होने से कपास की ऊपर की पत्तियां जलने लग गई थी जो किसानों के लिए चिंता का विषय था परंतु तीन दिनों से मौसम में परिवर्तन ने कपास की फसल को संजीवनी देने का काम किया है। उन्होंने बताया कि विगत वर्ष लोहारू क्षेत्र में करीब 40 हजार एकड़ में कपास की बुआई हुई थी। इस बार मई माह के प्रथम सप्ताह तक करीब 9600 एकड़ में बुआई हुई है जो विगत वर्ष की तुलना में करीब 3500 एकड़ कम है। इस प्रकार इस बार कपास की बुआई का क्षेत्र विगत वर्ष की तुलना में कम ही रहने वाला है।

यह उपाय करना जरूरी: डॉ. विनोद सांगवान

कृषि अधिकारी डॉ. विनोद सांगवान ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा जारी की गई एडवाइजरी में बताया गया है कि मई माह में तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है तथा नहरी पानी भी समय पर उपलब्ध नहीं होता। इसलिए जहां पर कपास, नरमा की बिजाई हो गयी है वहां कपास को जलने से बचाने के लिए एक सुखी खोदी अवश्य लगानी चाहिए।

कैसी बिजाई रहेगी उत्तम

कृषि अधिकारी ने बताया कि बीटी कपास की बिजाई मध्य मई तक पूरी कर लेनी चाहिए जून माह में कपास की बुवाई करना उत्तम नहीं है। बिजाई सुबह या शाम के समय की जानी चाहिए। पूर्व से पश्चिम की दिशा में कपास की बिजाई लाभकारी होती है देसी कपास की बिजाई अब न करें, इस से पौध जलने की समस्या आ सकती है।

खेत में खरपतवार के निवारण के लिए स्टोम्प 2 लीटर प्रति एकड़ का छिडकाव बिजाई के बाद व जमाव से पहले करना लाभकरी होगा। बीटी कपास की बिजाई के समय एक एकड़ में एक बैग यूरिया, एक बैग डीएपी 30 से 40 किलोग्राम पोटाश व 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट 21 प्रतिशत खेत की तैयारी के समय अवश्य डालें।

बीटी कपास की उन्नत किस्में

किसान बीटी कपास का विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किया हुआ बीज ही लें इसकी जानकारी के लिए आप जिले के कृषि विभाग या कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। बीटी कपास का बीज प्रमाणित संस्था या अधिकृत विक्रेता से ही लें तथा इसका पक्का बिल अवश्य लेना चाहिए।

समाजसेवी सुरेश लाठर ने वाटर कूलर राजकीय मॉडल विद्यालय में किया दान

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

तोशाम, 05 मई। सोमवार को तोशाम के प्रसिद्ध समाजसेवी एवं भाजपा नेता सुरेश लाठर ने स्थानीय वीर शहीद ईश्वर सिंह पंघाल राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अपने निजी कोष से वाटर कूलर भेंट किया। इस दौरान विद्यालय प्राचार्य सुदेश यादव ने प्रसिद्ध समाजसेवी सुरेश लाठर का विद्यालय में बच्चों के लिए ठंडा पानी पीने के लिए वाटर कूलर दान करने के लिए आभार व्यक्त किया।

प्राचार्य सुदेश यादव का कहना था कि बढ़ती गर्मी के मौसम में स्कूली बच्चों को पीने के लिए ठंडा पानी की आवश्यकता थी। समाजसेवी सुरेश लाठर ने अपनी निजी कोष से विद्यार्थियों के लिए विद्यालय में जो हजारों रुपए कीमत का वाटर कूलर दान किया है वह काबिले तारीफ है। विद्यार्थियों के लिए उनकी यह सोच एक धार्मिक भावना को तो दशार्ती ही है बल्कि उनकी यह निस्वार्थ सेवा सुरेश लाठर के सच्चा समाजसेवी होने की और भी इशारा करती है।

हेरोइन सहित युवक पकड़ा

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 05 मई। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम ने गश्त व चेकिंग के रानियां थाना क्षेत्र के गांव बणी नंबर 5 एक युवक को हजारों रुपए की 7 ग्राम 19 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार करने मे सफलता हासिल की है । सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम के प्रभारी जगदीश चंद्र ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान कर्मजीत सिंह उर्फ कर्मू पुत्र निक्का सिंह निवासी पंचकुला मोहल्ला गांव बणी नंबर 5 जिला सिरसा के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि सीआईए ऐलनाबाद की एक पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव बणी से होते हुए हनुमानगढ़ रोड़ की तरफ जा रहे थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी जब बणी नंबर 5 के नजदीक पंहुची तो सामने गली में से एक युवक पैदल आता हुआ दिखाई दिया। उक्त युवक सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक घबरा गया और वापस मुडकर भागने का प्रयास करने लगा पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर उक्त युवक को काबू कर भागने का कारण पूछा तो युवक कोई संतोषजनक जबाव नही दे पाया। पुलिस ने युवक की तलाशी ली,तो उसके कब्जा से 7 ग्राम 19 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई।

अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने समाधान शिविर में सुनी जनसमस्याएं

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 05 मई। लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने आमजन की आठ समस्याएं सुनी और अधिकारियों को तत्परता से निवारण के निर्देश दिए। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि सभी विभाग आमजन की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ करें, ताकि आमजन को असुविधा न हो और सरकारी योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ मिले। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले शिकायतों के शीघ्र निपटान में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। उन्होंने बताया कि उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविर आयोजित कर लोगों की समस्याएं हल की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला प्रशासन द्वारा आमजन की शिकायतों के निदान के लिए जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

पहलगाम के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 05 मई। आर्य समाज मंदिर सिरसा में सोमवार को सभी सदस्यों की सभा हुई, जिसमें पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों को नमन किया गया और उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आर्य समाज के प्रधान अशोक वर्मा ने इस सभा में अपनी भावभीनी श्रद्धांजली देते हुए सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई एवं इस षडयंत्र में शामिल दोषियों पर कड़ी करवाई की मांग की। उन्होंने सुरक्षा में चूक पर भी सवाल उठाए। कार्यक्रम के अंत में संरक्षक जगदीश सिंवर शेखुपुरिया ने आए हुए लोगों को धन्यवाद उद्बोधन दिया एवं आर्य समाज की गति विधियों पर प्रकाश डाला। गांव-गांव में आर्य विचारधारा को फैलाने, दहेज प्रथा, नशा मुक्ति आदि कार्यों को फैलाने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में कार्यकारिणी से मंत्री ओमप्रकाश खर्रा, शमशेर सिंह आर्य, रामप्रताप सरपंच, राजेंद्र बैनीवाल, श्योचंद्र बैनीवाल, स्वर्ण सिंह, बेघराज, नानूराम नंबरदार, विजय आर्य, डा. शुभम खर्रा, दिवाकर खर्रा, वेदप्रकाश सरदाना, रामलाल सरदाना, दीपक भाटी, मां जयप्रकाश, गिरधारी नाथ, शाश्वत आर्य उपस्थित थे।

वक्फ संशोधन अधिनियम तुष्टिकरण की राजनीति का अंत करके मुस्लिम समुदाय को वास्तविक विकास की ओर ले जाएगा : मुफ्ती शमून कासमी

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार

चंडीगढ़, 05 मई। मुस्लिम विद्वान नेता मुफ्ती शमून कासमी ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 का जोरदार समर्थन करते हुए इस अधिनियम को मुस्लिम समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया और कांग्रेस पार्टी तथा कुछ मुस्लिम संगठनों द्वारा इसके विरुद्ध किए जा रहे विरोध की कड़ी आलोचना की। मुफ्ती शमून कासमी, जो उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष हैं, ने आज यहां चण्डीगढ़ प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करेगा, जिससे इन संपत्तियों का उपयोग मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए किया जा सकेगा। यह अधिनियम न केवल वक्फ बोर्ड में भ्रष्टाचार को रोकेगा, बल्कि यह सुनिश्चित करेगा कि वक्फ संपत्तियां मुस्लिम समुदाय के शैक्षिक, सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए प्रभावी ढंग से उपयोग की जाएं।

उन्होंने अधिनियम के प्रमुख लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे वक्फ बोर्ड में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी, वक्फ संपत्तियों का डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण होगा, जिससे उनका प्रबंधन सुव्यवस्थित होगा, संपत्तियों की सुरक्षा में वृद्धि होगी और अवैध कब्जों से मुक्ति मिलेगी, वक्फ बोर्ड में महिलाओं और विद्वानों की उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा तथा वक्फ संपत्तियों से होने वाली आय का उपयोग मुस्लिम समुदाय के शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए किया जाएगा।

महंत राजेंद्र पुरी ने खट्टर के जन्म दिवस पर बच्चों को वितरित किए फल व स्टेशनरी

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकण्डा, 05 मई। हल्के के गांव बिजडपुर में स्थित सरकारी स्कूल में महंत राजेंद्र पुरी ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में बच्चों को फल, पेन और कॉपियां वितरित कीं। इस अवसर पर महंत ने बच्चों से संवाद करते हुए सनातन धर्म और हिंदू राष्ट्र की अवधारणा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों को भारतीय संस्कृति और धर्म के महत्व के बारे में जानकारी दी। महंत राजेंद्र पुरी ने स्कूल में शिक्षा की गुणवत्ता की सराहना करते हुए अध्यापकों की मेहनत की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की मेहनत का ही फल है कि आज हमारे बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी क्षेत्र और देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि स्कूल में कुछ कमियों को उन्होंने स्वयं महसूस किया है, जिन्हें दूर करने के लिए वे हरियाणा के मुख्यमंत्री और संबंधित सांसद से बात करेंगे, ताकि बच्चों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध करवाई जा सके।

पानी की भारी किल्लत को देखते हुए ग्राम पंचायत नुहियांवाली ने लिया सख्त निर्णय

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 05 मई। गांव नुहियांवाली में ग्राम पंचायत और ग्रामीणों ने मिलकर सामूहिक रूप से पानी को बचाने का निर्णय लिया है। ग्राम पंचायत ने पानी की भारी कमी को देखते हुए पानी की बबार्दी पर सख्ती दिखाई है। सरपंच सुनीता देवी ने बताया कि पानी की भारी कमी को लेकर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि जो भी व्यक्ति अपने घर में सप्लाई के दौरान नल खुला छोडकर पानी व्यर्थ बहाएगा तो उस व्यक्ति पर 500 रुपए का जुमार्ना लगाकर गौशाला की पर्ची काटी जाएगी। अगर वह व्यक्ति दोबारा गलती करेगा तो 1100 रुपये जुमार्ना लगाया जाएगा और फिर भी नही माना तो उसके खिलाफ सख्त कारवाई की जाएगी।

ग्राम पंचायत ने दूसरा निर्णय यह लिया है कि आजकल गांव में घर-घर जाकर दान, चंदा या दक्षिणा मांगने वालों का पूर्ण बहिष्कार किया जाएगा। किसी भी बाहरी व्यक्ति को गांव में मांगने के नाम पर कुछ भी

नहीं दिया जाएगा। गांववासियों का कहना है कि फसली सीजन के दौरान अनेक धार्मिक संस्थाओं या एनजीओ के नाम पर गेंहू, आटा और रुपये मांगने वालों की भरमार लग जाती है। इनकी आड़ में कई असामाजिक तत्व गांव में घुसपैठ कर रेकी करते हैं और फिर चोरी या लूट जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। ग्राम पंचायत का कहना है कि ग्रामीण दान पुण्य के विरोध में नहीं हैं। जरूरत पड? पर वह गांव में स्थित मंदिर, गौशाला या अन्य धार्मिक स्थलों पर स्वयं जाकर दान कर सकते है, लेकिन अब अगर कोई भी बाहरी व्यक्ति घरों में आकर दान के नाम पर कुछ मांगता है तो उसे कुछ नहीं दिया जाएगा। सरपंच प्रतिनिधि आत्माराम ने बताया कि पंचायत व गांववासी का किसी संस्था या व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं है। यह निर्णय गांव की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से फैसला लिया है। इस अवसर पर पूर्व सरपंच भजन लाल सहारण रामकुमार नेहरा पंचायत समिति सदस्य सुरेन्द्र कूकना मास्टर विनोद देमीवाल रणवीर सिंह डॉ सिद्धार्थ भारती मोहन लाल सहारण सहित अनेक गांववासी उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल के जन्मदिन पर लगाया रक्तदान शिविर

मनोहर लाल ने आदर्शवादी एवं सिद्धांतवादी सियासत में एक मिसाल कायम की: मीनू बैनीवाल

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 05 मई। केंद्रीय मंत्री एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चोपटा के शिव धर्मशाला मंदिर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया किया गया। जिसमें 217 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष कप्तान मीनू बैनीवाल ने किया। शिविर में वरदान चैरिटेबल ब्लड सेंटर की टीम ने 217 यूनिट रक्त एकत्रित किया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ करते हुए हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष कप्तान मीनू बैनीवाल ने कहा कि केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने आदर्शवादी एवं सिद्धांतवादी सियासत में एक मिसाल कायम की

है। साढ़े 9 वर्षों तक हरियाणा का मुख्यमंत्री रहते हुए प्रत्येक वर्ग को राहत दी, सुशासन की स्थापना की और विकास को रफ्तार दी है। ऐसे में उन जैसे नेताओं के जन्मदिवस पर हम रक्तदान जैसे प्रकल्पों के जरिए समाज में अपना योगदान दें तथा उनके मार्गदर्शन में प्रदेश व देश हित में कार्य करें।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा में सीएम रहते हुए हरियाणा में बिना पर्ची-बिना खर्ची नौकरियां देने की शुरूआत की, जो मिसाल आज भी कायम इस सरकार में हैं। यही नहीं मनोहर लाल की नीतियों का दूसरे राज्यों ने किया अनुसरण। इस अवसर पर जिला पार्षद नंदलाल बेनीवाल, नाथूसरी कलां के सरपंच प्रतिनिधि जगतपाल कासनियां, रामभगत श्योराण, पंचायत समिति के उपचेयरमैन मांगेराम पूनिया, बलराम कासनियां, डा. विक्रम सिंह ढिल्लों, राज ढुकडा, राजेश, कुलदीप राजा जान्दू, राजपाल कासनियां, नरेंद्र कासनियां व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

संतों और श्रद्धालुओं के लिए संत निवास भवन का हुआ निर्माण कार्य हुआ प्रारंभ

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकण्डा, 05 मई। जय श्री कृष्ण मंदिर, मोहल्ला माजरी द्वारा संत निवास/भगत निवास के निर्माण कार्य की विधिवत शुरूआत कर दी गई है। यह भवन देशभर से आने वाले संत महात्माओं और श्रद्धालुओं के ठहराव हेतु बनाया जा रहा है। मंदिर संचालक संत मुनि महानुभाव ने बताया कि जय श्री कृष्ण मंदिर में अनेक धार्मिक आयोजन होते रहते हैं, जिनमें दूर-दूर से संत महात्माओं और भक्तों का आगमन होता है। वर्तमान में उनके ठहरने के लिए उचित स्थान का अभाव था, जिसे देखते हुए दुर्गा कॉलोनी, एंबियंस रेस्टोरेंट के पीछे, संत निवास का निर्माण किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर भूमि पूजन समारोह का आयोजन किया

गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष कलसाना अपनी टीम सहित उपस्थित रहे। संत महानुभाव अनूप मुनि (सहारनपुर) के सानिध्य में विधिपूर्वक भूमि पूजन संपन्न हुआ और निर्माण कार्य का श्रीगणेश किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली, अंबाला, सहारनपुर, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर और शाहाबाद से श्रद्धालु भारी संख्या में उपस्थित रहे। इस उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में श्रीकृष्ण नाम संकीर्तन का भी भव्य आयोजन हुआ। दिल्ली से पधारे सांवली मूर्ति मंदिर के प्रतिनिधि बॉबी सेठी, चंद्र गुलाटी, राजू अरोड़ा ने संकीर्तन कर वातावरण को श्रीकृष्णमय बना दिया। संत मुनि महानुभाव ने सभी अतिथियों को दौशाला ओढ़ाकर और फल-प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया तथा सभी श्रद्धालुओं से इस पुनीत निर्माण कार्य में यथासंभव सहयोग करने की प्रार्थना की।

इस कार्यक्रम में लाइटसन फाउंडेशन के चेयरमैन अनिल अरोड़ा, जय श्री कृष्ण परिवार से मुनीश भाटिया, राजेश आनंद, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुपार्श्व जैन, उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता, एडवोकेट गुरप्रीत बाछल, अनिल गोलपुरा, श्यामलाल ज्योति बाई, अश्विनी बाई, दक्षा बाई, राजेंद्र सेठी, राज मक्कड़, मनी गुप्ता, मेघराज सैनी, महेश शर्मा, पारुल आनंद, पूनम सेठी, ममता नागपाल, खुशी, ममता आनंद, रोमा कक्कड़ और संगीता सेठी सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

एमबीडी ग्रुप के प्रमुख एडटेक प्लेटफॉर्म आशोका ने 100 करोड़ का आंकड़ा किया पार, तकनीक आधारित समावेशी शिक्षा का बना चैंपियन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

गुड़गाँव, 05 मई। एमबीडी ग्रुप के प्रमुख एडटेक प्लेटफॉर्म आशोका ने के-12 शिक्षा में अपनी प्रभावी उपस्थिति को प्रमाणित करते हुए 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया है। एमबीडी ग्रुप की चेयरपर्सन सतीश बाला मल्होत्रा, प्रबंध निदेशिका मोनिका मल्होत्रा कंधारी, संयुक्त प्रबंध निदेशिका सोनिका मल्होत्रा कंधारी और आशोका के सीईओ प्रवीन सिंह की उपस्थिति में इसकी घोषणा की गई। 2022 में 300 स्कूलों से शुरू होकर, आशोका अब 4,000 से अधिक स्कूलों के साथ भागीदारी कर चुका है, जहां 9.5 लाख विद्यार्थी और

80,000 शिक्षक जुड़े हैं। इस एतिहासिक सफर में तकनीकी नवाचार और समावेशी शिक्षा के सिद्धांतों को महत्व दिया गया है। आशोका के टूल्स जैसे विजकिड्स, बच्चों में जिज्ञासा जगाते हैं और उन्हें बिना स्क्रीन के कौशल सिखाते हैं। आशोका एआई स्टीम लैब भी छात्रों को रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शिक्षा प्रदान कर रहा है, जिससे वे न केवल परीक्षा के लिए बल्कि भविष्य के लिए भी तैयार हो रहे हैं। कंपनी ने मिडिल ईस्ट और दक्षिण अफ्रीका में भी अपनी उपस्थिति बढ़ाने का लक्ष्य बनाया है और अगले तीन वर्षों में 20,000 स्कूलों को जोड़ने की योजना बनाई है। श्रीमती मल्होत्रा ने बताया कि, "आशोका हमारे संस्थापक की सोच को साकार कर रहा है, जो शिक्षा में परिवर्तन लाने के लिए समर्पित थे।" आशोका के सीईओ श्री प्रवीन सिंह ने बताया कि उनका उद्देश्य एक संपूर्ण लर्निंग इकोसिस्टम का निर्माण करना है, जो हर स्कूल की विशेष आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित किया जा सके। इस प्रेरणादायक राउंडटेबल का समापन शिक्षा के भविष्य और एडटेक की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा के साथ हुआ, जिसमें शिक्षाविदों, प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों ने अपने विचार साझे किए।

चंडीगढ़ में 07 मई से शुरू होने जा रही है एशियाड सर्कस

चंडीगढ़ मेयर और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष करेंगे उद्घघाटन

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार

चंडीगढ़, 05 मई। ट्राईसिटी में 10 साल बाद एक बाद फिर मनीमाजरा हाउसिंग बोर्ड ग्राउंड में बुधवार शाम से देश के सबसे पुराने सर्कस में शुमार एशियाड सर्कस शुरू होने जा रहा है। विख्यात एशियाड सर्कस पूरे लाव लशकर के साथ शुरू होने जा रहा है। जिसका उद्घघाटन चंडीगढ़ की मेयर हरप्रीत कौर बबला और चंडीगढ़ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा जी बुधवार 7 मई की शाम करेंगे।

एशियाड सर्कस के प्रबंधक बिपन जिंदल और सुरेश कपिला ने कहा कि पहले आज 5 मई को सर्कस का शुभारंभ किया जाना था।

लेकिन खराब मौसम की वजह से अब 7 मई बुधवार को इसका उद्घघाटन होगा। जोकि चंडीगढ़ की मेयर हरप्रीत कौर बबला और चंडीगढ़ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा जी के कर कमलों से होगा।

बिपन जिंदल ने कहा कि लोगों के बीच अभी भी सर्कस का क्रेज है। सर्कस की पुरानी परंपरा को एशियाड सर्कस ने अभी भी जिंदा रखा है। सर्कस के कलाकार दर्शकों को बोर नही होने देते हैं। सर्कस में एक के बाद एक हैरतअंगेज खेल एवं करतब दिखाकर सर्कस के कलाकार लोगों को तालियां बजाने एवं हंसने हंसाने पर मजबूर कर देते हैं। एशियाड सर्कस आधुनिक तम्बुओं मे बैठने की व्यवस्था उपलब्ध कराता है। जिसमे गर्मी से राहत के साथ हर आईटम को आराम दायक कुर्सियों पर बैठ कर दर्शक आनन्द पूर्वक मनोरंजन का मजा लेते हैं।

एशियाड सर्कस संचालक का कहना है कि सर्कस मे तराशे हुए कलाकारों द्वारा जमीन से साठ फुट उपर हवाई झूला, रिंग डान्स, फायर डान्स, अफरिकन कलाकारों द्वारा जिम्नास्टिक एक्रोबैट, कलाकारों द्वार स्टाईल से साईकिलों के करतब, छोटे छोटे बोने कलाकारों की हंसी की फुआर, मौत के कुएं मे तीन तीन मोटर साईकल चलाना एवं बच्चों एवं पूरे परिवार के लिए बहुत से मनोरंजन करतब जो दर्शकों की वाहवाही बटौरते हैं।

एसपी ने किया परेड का निरीक्षण, पुलिसकर्मियों की शिकायतें सुनी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 05 मई। एसपी डॉ. मयंक गुप्ता ने सोमवार को पुलिस लाइन में आयोजित परेड का निरीक्षण किया और खुला दरबार लगाकर पुलिस कर्मियों की समस्याएं सुनी। इस मौके पर एसपी ने कहा कि पुलिस जवानों को हमेशा आमजन के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करना चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। एसपी सोमवार को खुला दरबार लगाकर पुलिसकर्मियों की समस्याएं सुन रहे थे।

एसपी ने कहा कि पुलिस जवानों को हमेशा समाज हित में कार्यों करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि थाना में आने वाले फरियादियों के साथ अच्छा व्यवहार करें तथा प्राथमिकता के आधार पर उनकी सुनवाई कर शीघ्र न्याय दिलवाने की कोशिश करनी चाहिए। थाना व चौकियों से आने वाले अनुसंधानकताओं को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि किसी भी अनुसंधानकर्ता का कार्य पेंडिग नहीं होना चाहिए।

एसपी ने कहा कि पुलिस कर्मचारी को अपने जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए और उस लक्ष्य को पाने के लिए दिन रात मेहनत में लग जाना चाहिए। पुलिस कर्मियों को बेहतर आधारभूत सुविधा उपलब्ध करवाना हमारी पहली प्राथमिकता। अच्छा काम करने वाले पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा तथा काम में लापरवाही व कोताही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग की छवि को और बेहतर बनाने के लिए सभी पुलिस जवानों को मिलकर काम करना होगा। पुलिस अधीक्षक ने कड़े शब्दों में कहा कि भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नही होगा, सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी जीरो टॉलरेंस निती के तहत नेक नियति व ईमानदारी से काम कर समाज में पुलिस की बेहतर छवि के लिए काम कर समाज में एक अनूठी मिशाल पेश करें।

दो युवक चोरीशुदा मोटरसाइकिल सहित काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 05 मई। रानियां थाना पुलिस ने गांव ओटू क्षेत्र के बस स्टैंड से मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो युवकों को महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए रानियां थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सुखप्रीत उर्फ निक्का पुत्र अजमेर सिंह निवासी गांव अहमदपुर व कुलदीप सिंह उर्फ दीपू पुत्र बस्ती राम निवासी चोरमार जिला सिरसा के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि सुखविंद्र सिंह पुत्र रांझा सिंह निवासी थैहड़ी मोहर सिंह थाना रानियां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीते वर्ष किसी काम के सिलसिले में मोटरसाइकिल लेकर गांव ओटू के बस स्टैंड पर गया हुआ था। मोटरसाइकिल बस स्टैंड पर खड़ा करके थोड़ी देर के लिए चला गया था। कुछ समय बाद वापस आकर देखा तो मोटरसाइकिल कोई अज्ञात युवक चोरी करके ले गया था। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर रानियां में अज्ञात लोगों के खिलाफ मोटरसाइकिल चोरी का अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

सरसों व गेहूं के बैग चुराने वाले दो आरोपी दबोचे

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 05 मई। रानियां थाना पुलिस ने बीती 2 मई को थाना क्षेत्र के गांव खारियां रोड़ जोधपुरिया से अज्ञात युवकों द्वारा रात्रि के समय एक व्यक्ति के घर में घुस कर 17 बैग गेहूं व 3 बैग सरसों चोरी की गुत्थी को सुलझाते हुए दो आरोपियों को काबू कर लिया है। रानियां थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि खारिया निवासी राजबीर सिंह पुत्र रणबीर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसका मकान जोधपुरिया रोड पर स्थित है और वह खेती बाड़ी का काम करता है । बीती 2 मई की रात्रि को अज्ञात युवकों ने उसके घर में 17 कट्टे गेहूं तथा 3 बैग सरसों के चोरी करते ले गए है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ रानियां थाना में चोरी का अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई थी । जांच के दौरान रानियां थाना की एक पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को नानुआना रोड़ रानियां क्षेत्र से काबू कर लिए है । गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सुखदेव सिंह पुत्र करनैल सिंह व निशान सिंह पुत्र जोगा सिंह निवासियान वार्ड नंबर 15 रानियां के रुप में हुई है।

शाहाबाद उमेश गर्ग बने लायंस इंटरनेशनल 321-ए-2 के पहले डिस्ट्रिक्ट गवर्नर

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकण्डा, 05 मई। समाजसेवी उमेश गर्ग ने लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321-ए-2 के पहले डिस्ट्रिक्ट गवर्नर चुने जाने का गौरव प्राप्त किया है। यह चुनाव अमृतसर में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन सत्यदर्शन 2025 के अंतर्गत संपन्न हुआ। इस चुनाव में उमेश गर्ग को कुल 207 में से 205 वोट प्राप्त हुए, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है और लायंस क्लब्स के सदस्यों के उनके प्रति अपार विश्वास को दशार्ता है। उनकी यह जीत शाहाबाद मारकण्डा ही नहीं, बल्कि पूरे डिस्ट्रिक्ट 321-ए-2 के लिए सम्मान और उत्साह का विषय बन गई है। इस सम्मेलन में शिमला से दिल्ली तक फैले 151 क्लब्स के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह सम्मेलन लायंस इंटरनेशनल के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन था, जहां भविष्य की नीतियों और नेतृत्व का चुनाव हुआ। अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद उमेश गर्ग ने सभी पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर्स, वर्तमान पदाधिकारियों, सभी क्लब्स और लगभग 4000 सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मेरी सरलता ही मेरी पहचान है और मेरी ईमानदारी ही मेरी ताकत। मैं सभी क्लब्स को साथ लेकर चलूंगा, युवाओं को प्रेरित करूंगा और महिलाओं की भागीदारी को प्राथमिकता दूंगा। उनकी इस जीत से शहर में उत्सव जैसा माहौल है। लायंस क्लब शाहाबाद, स्थानीय गणमान्य व्यक्ति, समाजसेवी संगठनों और आम जनता की ओर से उन्हें लगातार बधाइयां दी जा रही हैं।

संपादक की कलम से

युद्ध सचमुच होगा क्या?

भारत-पाकिस्तान युद्ध क्या सचमुच होगा? जब इस पर चर्चा हो रही थी, तभी प्रधानमंत्री मोदी ने जाति जनगणना कराने के निर्णय की घोषणा की। इससे भारत-पाकिस्तान युद्ध संबंधी गरमागरम वार्ता की दिशा बदल गई। भारत-पाक एक धर्मयुद्ध था। जाति आधारित जनगणना के निर्णय ने धर्म को जाति से मात दे दी। लोग अब जाति पर चर्चा कर रहे हैं। ऐसी उपलब्धियां और उपक्रम केवल भाजपा ही कर सकती है। युद्ध होगा, ऐसा माहौल स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने बनाया। प्रधानमंत्री मोदी इस समय तीनों सेनाप्रमुखों के साथ बातचीत कर रहे हैं। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इन बैठकों में मौजूद हैं, इतना ही नजर आता है। पहलगाम हमले के बाद देश में गुस्सा भड़क उठा। पाकिस्तान के खिलाफ पहली सख्त कार्रवाई उन्हीं २४ घंटों में हो जानी चाहिए थी, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ मामूली कार्रवाई करने के बाद मोदी चुनाव प्रचार के लिए बिहार पहुंच गए। मोदी और नीतीश कुमार एक-दूसरे से प्रसन्न होकर बातें कर रहे हैं, ऐसा दृश्य तब कई लोगों ने देखा। पाकिस्तान को चेतावनी देने के लिए मोदी ने बिहार की धरती को चुना। २६ मृतकों की राख ठंडा होने की जरूरत उन्हें महसूस नहीं हुई। मोदी को दिल्ली में रहना चाहिए था और सर्वदलीय बैठक में भाग लेना चाहिए था। मोदी को इस उपचार की जरूरत नहीं थी। श्री. राहुल गांधी अपना अमेरिकी दौरा बीच में ही छोड़कर भारत लौट आए। उन्होंने सर्वदलीय बैठक में भाग लिया। कश्मीर जाकर घायलों से मुलाकात की। इन सबके बीच देश के प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह कहां हैं, जिनकी जिम्मेदारी पर्यटकों की सुरक्षा की थी? गृह मंत्री को कश्मीर में हुए हमले की जिम्मेदारी लेकर इस्तीफा दे देना चाहिए था। गृह मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया और सर्वदलीय बैठक में किसी ने भी हमले के लिए जिम्मेदार शाह के इस्तीफे की मांग नहीं की। संकट के इस समय में हम सरकार के साथ हैं, बस इतना कहने के लिए बैठक हुई। यह पहलगाम में मारे गए लोगों का अपमान है। पुलवामा, उरी, मणिपुर से लेकर पहलगाम तक जो कुछ हो रहा है, ऐसे संकटकाल में सरकार के साथ रहनेवाले विपक्षी दल को अब सरकार से जवाब मांगने का कोई अधिकार नहीं है।

पसीना छूट गया

युद्ध शुरू होने से पहले ही पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी, जनरल को पसीना छूट गया है और वे थर-थर कांपने लगे हैं, ऐसी तस्वीरें जो भारतीय समाचार चैनलों पर २४ घंटे दिखाई जा रही हैं, उन्हें सच ही मानना चाहिए। पाकिस्तान की तुलना में भारत की सैन्य क्षमता बहुत अधिक है। इसलिए पाकिस्तान थर-थर कांप रहा है, वो सच ही है। तो फिर पाकिस्तान द्वारा भारत में आतंकी गतिविधियों के लिए भेजे गए आतंकवादी बेधड़क भारत में प्रवेश कर हमारे लोगों पर हमला करते हैं वो वैष्ठसे? वे थर-थर क्यों नहीं कांपते हैं? यह शोध का विषय है। सर्वदलीय बैठक में एक भी विपक्षी नेता ने यह सवाल नहीं पूछा। वे झिझक गए और अब हर कोई कश्मीर पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र चाहता है। देश की सुरक्षा को हवा में छोड़कर नफरत की राजनीति करनेवालों का इस्तीफा न मांगनेवाले विरोधी दल के नेता एक दिन जनता की नजरों में गिर जाएंगे। यह सही है कि कश्मीर जैसी घटनाओं पर राजनीति नहीं करनी चाहिए और ऐसे मौकों पर सभी को एकजुट होना चाहिए, लेकिन कितनी बार एकजुट होकर सरकार के साथ खड़े रहें? सरकार को लोकतंत्र की परवाह नहीं है और विपक्ष राष्ट्रहित के नाम पर सरकार को समर्थन देता है। पहलगाम घटना के बाद भाजपा समर्थित संगठनों ने देशभर में कश्मीरी छात्रों का जीना दुश्वार कर दिया। देश के गृह मंत्री इस पर बात करने को तैयार नहीं हैं। क्योंकि वे इस लड़ाई को हिंदू-मुस्लिम का रूप देना चाहते हैं। सैयद आदिल हुसैन पर्यटकों की जान बचाते हुए मारा गया। इसका उल्लेख न तो प्रधानमंत्री ने किया और न ही गृह मंत्री ने। सरकार पाकिस्तान के साथ युद्ध नहीं चाहती, बल्कि इस मुद्दे पर गृहयुद्ध चाहती है, यही उसका मतलब है। ये ठीक नहीं है। इसके लिए भाजपा और उसके सहयोगी दलों को छोड़कर एक सर्वदलीय बैठक जरूरी है, लेकिन इसका नेतृत्व कौन करेगा?

असफल कौन?

पहलगाम मामले में देश की खुफिया व्यवस्था (इंटेलिजेंस) पूरी तरह विफल रही। ईडी, सीबीआई, आयकर जैसी संस्थाएं सफल साबित होती हैं और सरकार के लिए सहायक भूमिका निभाती हैं, लेकिन इंटेलिजेंस विफल है। दोबारा इस पर सवाल मत पूछना। कश्मीर में अत्र्करढअ लागू है। सारी सुरक्षा केंद्र सरकार और सुरक्षा बलों के हाथ में है। केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद राज्य सरकार की औकात नगरपालिका के बराबर भी नहीं है। फिर भी, अपने राज्य में पड़े पर्यटकों के शवों और खून की धार को देखकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की भावनाएं जम्मू-कश्मीर विधानसभा में फूट पड़ीं। उमर अब्दुल्ला ने कहा, मेरे राज्य में जो हुआ, उससे मैं शर्मिंदा हूं। कश्मीर में पूरी सुरक्षा व्यवस्था के मालिक गृह मंत्री अमित शाह हैं। उनसे जवाब मांगनेवालों को आलोचना का सामना करना पड़ता है। राजदीप सरदेसाई का सवाल सीधा था, पर्यटकों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि होने के बावजूद भी पहलगाम और बैसरन में एक भी पुलिस चौकी नहीं है? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? हँङ्क्ष्२ ङ्क्ष्४ल्लङ्घ्रें? इस पर भाजपा के ट्रोल धारियों ने सरदेसाई को ही आरोपी के पिंजरे में डाल दिया। उन्हें पाकिस्तान समर्थक करार दिया गया। आप पाकिस्तानी मीडिया की ही भाषा बोल रहे हैं, इस तरह फटकारा गया। देश में संकट के समय जब सत्य बोलना अपराध बन जाता है, तब उस देश का पतन तेजी से शुरू हो जाता है। क्या भाजपा प्रचारक के रूप में काम कर रहे किसी भी बाबा और महाराज को पहलगाम हमले की जानकारी नहीं होगी? नरेंद्र मोदी जिन्हें अपना छोटा भाई मानते हैं, उन धीरेंद्र शास्त्री के चमत्कार और इंटेलिजेंस विफल हो गए।

दबाने वाले

अजीबोगरीब है धरती पर कुछ लोग,
लगा है उनको मानसिक रोग,
लगाते उम्मीद जरूरत से ज्यादा,
सोचते हैं हर घड़ी अपना फायदा,
नहीं पता चलता नफा नुकसान,
गले में टांगे घूमते अपमान,
कर्म उनके भटकाने वाले,
दुनिया में मिलेंगे दबाने वाले।
ईमानदारों पर होते हावी,
दूसरों के हाथ होती चाबी,
होते हमेशा अक्ल के कच्चे,
करते हैं व्यवहार जैसे बच्चे,
दूसरों के दुख दर्द को नहीं समझते अपना,
दिखाई देता इन्हें हर घड़ी सपना,
मतलब साधते दिल होते काले,
दुनिया में मिलेंगे दबाने वाले।
हो डगर जो अपनी उस पर चलना,
सीधे-साधे रास्तों पर उनका खलना,
छोड़ो ऐसे लोगों की करना परवाह,
उनके मुंह से न निकले वाह,
उनकी चाह बोझ दूसरों पर लादना,
औरों को सदा बेड़ियों में बांधना,
होते खुश दूसरों पर लगाकर ताले,
दुनिया में मिलेंगे दबाने वाले।
करोगे परेशान तो फूटता है विद्रोह,
हो जाता पल भर में भंग उसका मोह,
चमचे भी बोलते हैं उनकी परिभाषा,
चूर-चूर होती है मन की अभिलाषा,
निभाया है जिसने भलीभांति साथ,
थोंपते हैं उन पर दिन में भी रात,
में कोई भला खुद को कैसे संभाले,
दुनिया में मिलेंगे दबाने वाले।
परिश्रम करने वालों को नहीं चिंता की बात,
कब तक होगा सफल लगाने वाला घात,
आंका जाता है सदा कार्य करने का मूल्य,
मान भी पा लेता कभी-कभी शून्य,
तन- मन में जोर तो काहे घबराना,
जीवन में सहनशीलता की डगर अपनाना,
जगत की हर खुशी खुद ही पा ले,
दुनिया में मिलेंगे दबाने वाले।

- डॉ. विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

कबाड़ से जुगाड़ के नवाचार की सौन्दर्यमयी चमक

- ललित गर्ग -

कबाड़ से जुगाड़ सिर्फ.एक तरीका नहीं, बल्कि एक रचनात्मक दर्शन है जो संसाधनशीलता और नवाचार को बढ़ावा देता है। यह अपसाइकल की गई रचनाओं और सरल समाधानों के माध्यम से अपरंपरागत सोच की शक्ति का प्रमाण है। कबाड़ से जुगाड़ का दर्शन बेकार वस्तुओं को उपयोगी बनाने और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने पर जोर देता है। यह दर्शन हमें नए और रचनात्मक समाधान खोजने के लिए प्रेरित करता है, जो मौजूदा समस्याओं को हल करने में मदद करते हैं और इससे कचरे को कम करने और पर्यावरण को बचाने में मदद मिलती है। यह आत्मनिर्भरता का भी दर्शन है, जो हमें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए खुद पर निर्भर रहने के लिए प्रोत्साहित करता है, यह दर्शन जटिल समस्याओं के लिए सरल और व्यावहारिक समाधान खोजने पर जोर देता है।

जुगाड़ एक बोलचाल का हिंदी शब्द है जिसका मतलब है अपरंपरागत, किफायती नवाचार। कबाड़ से बने म्यूरल, पार्क और अन्य कलाकृतियां कबाड़ से जुगाड़ के उपक्रम को दर्शाती हैं। कबाड़ से बनाए गए टेलीस्कोप, लेजर लाइट ब्लोइंग कार, वाटर प्यूरीफायर आदि कबाड़ से जुगाड़ के उदाहरण है। चंडीगढ़ का रॉक गार्डन, जुन्नारदेव जनपद पंचायत के बरेलीपार गांव के ग्रामीणों का कबाड से बना स्वच्छता पार्क एवं मेरठ का कबाड़ से जुगाड़ अभियान ऐसे विरल एवं अनुकरणीय उदाहरण हैं जो राष्ट्रीय फलक पर चमक रहे हैं। कबाड़ से जुगाड़ बेकार की वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाने की एक प्रक्रिया है। कबाड़ से जुगाड़ ना केवल हमारे पर्यावरण के संरक्षण के लिए बहुत सहायक है बल्कि यह अनुपयोगी वस्तुओं के निपटान का भी एक सटीक उपाय है। इसके माध्यम से हम ऐसी अनुपयोगी वस्तुओं को फेंकने की जगह उनसे कुछ उपयोगी वस्तुएं बना सकते हैं। कबाड़ से जुगाड़ के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम दिया जा सकता है, जो. रचनात्मकता एवं सृजनात्मकता की दिशा में उठाया गया एक सार्थक कदम है। हम भारतवासी वैसे भी जुगाडू होते हैं जो अपना काम बनाने के लिए हर जगह कुछ ना कुछ जुगाड़ कर लेते हैं। यदि हम अपनी रचनात्मकता कबाड़ से जुगाड़ में लगाएं तो दिनों दिन बढ़ते जा रहे कचरे के निपटान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इससे प्लास्टिक एवं ई-कचरे में निरंतर कमी आती जाएगी और पर्यावरण संरक्षण भी बढ़ेगा। संसाधनों पर वह भी बोझ कम पड़ेगा।

मेरठ का कबाड़ से जुगाड़ अभियान अब राष्ट्रीय फलक तक चमका, एक सकारात्मक सोच एवं सृजन का अनूठा उदाहरण बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के 93वें संस्करण में योगी आदित्यनाथ सरकार के इस प्रयास की काफी सराहना की। शहरों को संवारने के प्रदेश सरकार के सपनों को साकार करते हुए मेरठ नगर निगम ने निष्प्रयोज्य वस्तुओं से कम लागत में ही शहर की आभा में चार चांद लगा दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह प्रयास पर्यावरण की सुरक्षा और शहर के सुंदरीकरण से जुड़ा है। निष्प्रयोज्य वस्तुएं स्क्रैप, पुराने टायर, कबाड़, खराब ड्रम से भी कम खर्चे में कैसे शहर को संवारा जा सकता है, मेरठ इसकी बानगी है। कम खर्चे में सावर्जनिक स्थलों का सुंदरीकरण कैसे हो, यह अभियान इसकी मिसाल है। खराब पड़ी चीजों का प्रयोग कर शहर को सजाया गया। गांधी आश्रम चौराहा, गढ़ रोड पर लोहे के स्क्रैप, पुराने पहियों से फाउंटेन निर्मित कराया गया। सर्किट हाउस चौराहे पर लाइट ट्री, पुराने बेकार ड्रमों से स्ट्रीट इंस्टलेशन, हाथ ठेली के बेकार पहियों से बैरिकेडिंग कर मिनी व्हील पार्क, जेसीबी के पुराने टायरों से डिस्प्ले वॉल, पार्कों में बैठने के लिए स्टूल मेज आदि की व्यवस्था की गई। मेरठ नगर निगम ने शहर को चमकाने के लिए अनोखे प्रयोग किए, जो काफी सफल रहे। दरअसल नगर निगम में बने गोदाम में पड़े कबाड़ की न तो उचित कीमत मिल रही थी और न ही इसका सही उपयोग एवं निपटान हो रहा था, पर योगी सरकार की पहल पर नगर आयुक्त अमित पाल शर्मा ने शहर को जगमगाने का निर्णय लिया। लाइटिंग वाला कृत्रिम पेड़ भी न सिर्फ लोगों को आकर्षित कर रहा है, बल्कि शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। इसकी आभा देख लोग निहाल और अचंभित हो रहे हैं।

कबाड़ से जुगाड़ का मतलब है बेकार पड़ी चीजों से कुछ उपयोगी या रचनात्मक बनाना, जैसे कि कचरे से सुंदर सजावटी वस्तुएं, या बेकार प्लास्टिक से जूते-चप्पल बनाना। ग्रामीणों ने कबाड़ से एक सुंदर स्वच्छता पार्क बनाया, जिसमें सजावटी वस्तुएं, आरामदायक बैठने की व्यवस्था और स्वच्छता से संबंधित कलाकृतियाँ शामिल हैं। बच्चों को सिखाने के लिए कबाड़ के सामान से खिलौने बनाए जा सकते हैं, जैसे कि टेलीस्कोप, लेजर लाइट ब्लोइंग कार, रबर बैंड नाव, टेबल लैंप, वाटर प्यूरीफायर आदि। बेकार लकड़ी, प्लास्टिक और अन्य सामग्रियों से फर्नीचर बनाया जा सकता है, जैसे कि टेबल, कुर्सी, और अलमारी। कबाड़ से कलाकृतियाँ बनाई जा सकती हैं, जैसे कि पेंटिंग, मूर्तिकला, और सजावटी वस्तुएं। पुराने कपड़ों से नए कपड़े या बैग बनाए जा सकते हैं। कबाड़ से खाद और अन्य उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं, जो खेती के लिए उपयोगी हो सकती हैं। जयपुर फुट, यह एक कृत्रिम अंग है जो कम लागत में बनाया जाता है और यह जुगाड़ मानसिकता का एक बेहतरीन उदाहरण है।

प्लास्टिक के कबाड़ को रिसाइकल करके उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं, जैसे कि प्लास्टिक दाना जो फुटवियर फैक्ट्रियों में इस्तेमाल होता है। कबाड़ से विभिन्न उपकरण बनाए जा सकते हैं, जैसे कि पानी फिल्टर, यांत्रिक उपकरण आदि। कबाड़ से सजावटी वस्तुएं बनाई जा सकती हैं, जैसे कि विंड चाइम, फोटो फ्रेम, फूलों के गमले, आदि। जो सामान घर में उपयोग ना हो तो वह कबाड़ में तब्दील हो जाता है। इसके बाद उसे ऐसे ही बाहर फेंक दिया जाता है। अगर यही कबाड़ आपकी सेहत बनाने का काम करने के साथ ही गांव और शहर की सुंदरता में चार चांद लगा दे तो यह अपने आपमें चर्चा एवं अनुकरणीय उदाहरण बन जाता है। कुछ ऐसा ही किया है आदिवासी ग्राम पंचायत बरेलीपार के लोगों ने, खेतों में उपयोग होने वाले औजारों सहित घर की खराब वस्तुओं का उपयोग कर ग्रामीणों ने ऐसा काम किया कि जो भी देखता है तो दंग रह जाता है। कबाड़ से ग्रामीणों ने स्वच्छता पार्क बनाने के साथ ही हेलीकॉप्टर तक बना दिया। कबाड़ के जुगाड़ से ग्रामीणों ने सुंदर पार्क का निर्माण किया तो लोगों की सेहत बनाने में भी कारगर साबित हो रहा है।

आज दुनिया के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं, जिसमें से ई-वेस्ट एक नई उभरती विकराल एवं विध्वंसक समस्या भी है। दुनिया में हर साल 3 से 5 करोड़ टन ई-वेस्ट पैदा हो रहा है। ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर के मुताबिक भारत सालाना करीब 20 लाख टन ई-वेस्ट पैदा करता है और अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद ई-वेस्ट उत्पादक देशों में 5वें स्थान पर है। दुनिया डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं की ओर तेजी से बढ़ रही है, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं एवं इलेक्ट्रोनिक क्रांति ने लोगों के जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन अर्थव्यवस्था एवं जीवन का डिजिटल अवतार इलेक्ट्रोनिक कचरे की शक्ल में एक नयी चुनौती एवं जटिल समस्या को लेकर आया है। घरों में इस्लेमाल होनेवाले कूलर, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर जैसी वस्तुओं के अलावा कार्यालय में लैपटॉप, कम्पयूटर, मोबाइल, डिजिटल घड़ी, टीवी तय समय के बाद ई-कचरे में परिवर्तित हो जाते हैं। इस ई-कचरे का निपटान बड़ी समस्या है। इसी क्रम में पूर्व दिल्ली सरकार ने घोषणा की थी कि दिल्ली में भारत का पहला ई-कचरा इको-पार्क खोला जायेगा। 20 एकड़ में बनने वाले इस पार्क में बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, लैपटॉप, चार्जर, मोबाइल और पीसी से अनूठे एवं दर्शनीय चीजों को निर्मित किया जायेगा। इसी कड़ी में कानपुर में ई-वेस्ट प्रबंधन का एक बेहतरीन मॉडल सामने आया है। यहां जयपुर के एक कलाकार ने ई-वेस्ट से 10 फीट लंबी मूर्ति बनाई है। इसे बनाने में 250 डेस्कटॉप और 200 मदरबोर्ड, केबल और ऐसी अनेक खराब इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का इस्तेमाल किया गया है।

यंत्र का भाषण, यंत्रों ने सुना!

प्रधानमंत्री मोदी एक अजीब रसायन हैं। यह महान व्यक्ति किस मिट्टी का बना है, वह शोध का विषय होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को पूरे दिन मुंबई में फिल्मी सितारों, मशहूर हस्तियों आदि लोगों के बीच थे। उन्होंने मनोरंजन की दुनिया में काफी समय बिताया। शाहरुख खान, आमिर खान, सलमान खान जैसे हिंदी फिल्म उद्योग के लोग अग्रिम पंक्ति में बैठकर मोदी का मनोरंजन की दुनिया पर भाषण सुन रहे थे। कश्मीर में २६ निर्दोष लोग मारे गए हैं। देश अभी भी उस दुख से उबर नहीं पाया है। जिनके घर का सदस्य मारा गया, उस घर में लोग अभी भी सिसक रहे हैं और आंसू बहा रहे हैं। कुल मिलाकर देश पर शोक की छाया है। परदेश में अगर कोई प्रमुख व्यक्ति चला जाता है, तब भी देश में शोक मनाया जाता है। अगर भारत में कोई पूर्व-वर्तमान नेता परलोक सिधार जाता है, तब भी राष्ट्रध्वज को आधे पर लाकर राष्ट्रीय शोक मनाया जाता है और सभी सरकारी, मनोरंजन के कार्यक्रम रद्द कर दिए जाते हैं। इधर, २६ भारतीय नागरिकों की बेरहमी से हत्या कर दी गई, लेकिन सरकार के चेहरे पर न तो शोक है और न ही चिंता। जैसे कुछ हुआ ही न हो, ऐसे सरकार के प्रमुख नेताजी पेश आ रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री को मनोरंजन की दुनिया में रहना पसंद है, लेकिन जब देश पर हमला हो रहा हो, तब शासकों को कुछ नियमों का पालन करना चाहिए। मुंबई में मनोरंजन जगत में मोदी का भाषण टाला जा सकता था या उन्हें ऑडियो-विजुअल माध्यमों के जरिए संदेश दिया जा सकता था, लेकिन मोदी खुद जगमगाते सितारों के बीच अवतरित हुए। उस मौके पर २६ बेगुनाह लोगों की हत्या का गम छोड़कर भाजपा और उसकी महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई को सजाया और

प्रधानमंत्री के पोस्टर

लगाए। नतीजतन, मुंबईकरों ने आतंकी हमले की बलि चढ़े लोगों को श्रद्धांजलि अर्पण करनेवाले जो पोस्टर लगाए थे, वे इन चमचमाते पोस्टरों के आगे छिप गए। फिल्मी सितारों के सामने अपने भाषण में मोदी ने कहा, ह्यह्यइंसानों को रोबोट बनाना नहीं चाहते, बल्कि संवेदनशील बनाना चाहते हैं।ह्लह्ल प्रधानमंत्री का विचार अच्छा है, लेकिन वे कितने संवेदनशील हैं? यह सवाल अब उठ खड़ा हुआ है। २०१९ में ४० जवानों की हत्या पुलवामा में हो जाने पर भी वह संवेदनशीलता नहीं दिखी और अब जब पहलगाम में आतंकी हमले में २६ नागरिक मारे गए, तब भी उनके लिए संवेदनशीलता नहीं दिखी। कई कारणों से प्रधानमंत्री मोदी मंच पर वैष्ठमरे के सामने रो पड़ते हैं। यहां तक ??कि वे जोर-जोर से सिसकियां भी भरते हैं। इससे देश भावुक हो जाता है। पुलवामा और पहलगाम हत्याकांड के बाद भी प्रधानमंत्री की आंखों के कोने नम नहीं हुए। इस हमले के बाद वे सबसे पहले चुनाव प्रचार के लिए बिहार गए और कल मुंबई में एक मनोरंजन कार्यक्रम में पहुंच गए। मुंबई में विश्व दृश्य-श्रव्य मनोरंजन शिखर सम्मेलन चल रहा है और उस कार्यक्रम की सफलता के लिए सरकार काफी समय से मेहनत कर रही है। दुनियाभर से इस क्षेत्र के उद्यमी मुंबई आए थे। इसलिए कार्यक्रम रद्द करना भले ही संभव न हो, लेकिन हमारे घर में २६ निर्दोष लोगों की लाशें गिर चुकी हैं और उनकी चिताओं की राख अभी भी धधक रही है। भारत जितना दुःखी है, उतना ही क्रोधित भी है ये दुनियाभर से आए हुए

प्रतिनिधियों को दिखाना

चाहिए था। विश्व ऑडियो-विजुअल एंड एंटरटेंमेंट समिट अर्थात ह्यवेव्सह्ल परिषद से महाराष्ट्र को लाभ होगा। प्रधानमंत्री का भाषण इस संबंध में संकेत देता है। ह्यह्यभारत की हर गली में एक कहानी छिपी हुई है। हमारे पहाड़ों में संगीत है। यहां की नदियां हमेशा गुनगुनाती रहती हैं। भारत के पास सांस्कृतिक खजाना है। शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति, एकता और अखंडता का संगम भारतीय परंपरा में है,ह्लह्ल ऐसा प्रतिपादन मोदी करते हैं, लेकिन भारतीय पहाड़ों के संगीत को नष्ट करके वहां नफरत का कर्कश गीत किसने शुरू किया है? यहां की नदियां हमेशा गुनगुनाती रहती हैं, लेकिन नदियों के इस मधुर प्रवाह में धार्मिक नफरत का जहर कौन घोल रहा है और इस जहरीले ह्यकंटेंटह्ल को कौन पर्दे पर ला रहा है?

स्वतंत्र भारत की पहली जाति गणना जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित करेगी

- डॉ. ज्ञान पाठक

जनगणना के बाद, हमें यह जानकारी होगी कि लगभग 100 वर्षों के अंतराल के बाद, देश में जाति व्यवस्था वर्तमान में कैसे काम कर रही है। 1951 की जनगणना के दौरान, भारत सरकार ने केवल अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की जनगणना की अनुमति दी थी। इससे स्पष्ट तस्वीर सामने नहीं आयी, और इसलिए 1961 तक, केंद्र सरकार ने ओबीसी की जनगणना के लिए राज्यों को अनुमति दे दी।

पिछली बार 1931 की जनगणना में जाति की गणना के लगभग एक सदी के अंतराल के बाद भारत में जाति जनगणना कराने की घोषणा कर-के,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने न केवल स्वतंत्र भारत के जाति जनगणना न कराने के ऐतिहासिक निर्णय, जो मुख्यतः इस डर से की गयी थी कि इस तरह की कवायद जाति व्यवस्था को मजबूत कर सकती है, को समाप्त कर दिया है, बल्कि जाति जनगणना कराने के खिलाफ भाजपा की ऐतिहासिक स्थिति को भी पलट दिया है। यह निर्णय भारत की नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दशार्ता है जिसका जीवन के सभी क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ना तय है - विशेष रूप से राजनीति, अर्थशास्त्र और सामाजिक आचरण पर।

भारत की जाति व्यवस्था में पिछली सदी में बहुत बड़ा बदलाव आया है। भारत में ब्रिटिश राज के दौरान जो हुआ, वह 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद की स्थिति से बहुत अलग था। भारत के संविधान ने पहली बार समाज में व्याप्त जातिगत पूर्वाग्रह के शिकार लोगों को कानूनी सुरक्षा प्रदान की, और अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को उनके सामाजिक और आर्थिक स्तर को ऊपर उठाने के लिए आरक्षण दिया।

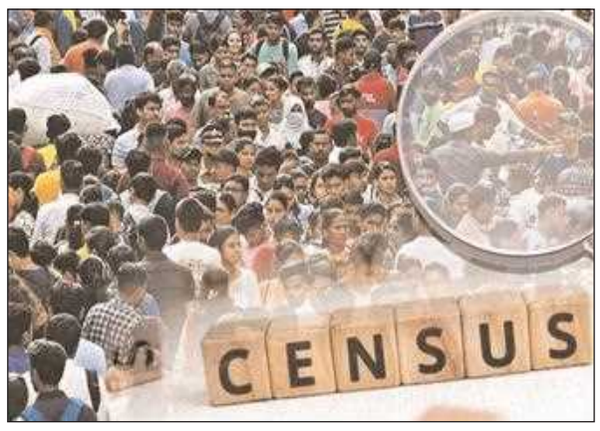

ब्रिटिश राज के दौरान की गयी जाति जनगणना जाति व्यवस्था को मजबूत करने वाली पायी गयी थी और इसलिए डॉ. बी.आर. अंबेडकर सहित भारत के महत्वपूर्ण राजनीतिक विचारकों ने इस प्रथा की कड़ी आलोचना की। इसके अलावा, जातियों का रिकॉर्ड दोषपूर्ण पाया गया। 1901 की जनगणना में 1646 अलग-अलग जातियों को दर्ज किया गया था, जो 1931 में बढ़कर 4147 हो गया। इसका समाज पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा और इसलिए स्वतंत्रता संग्राम के हमारे नेताओं के दबाव में, ब्रिटिश सरकार ने 1941 की जनगणना में इस जाति जनगणना की प्रथा को छोड़ दिया।

इससे हमें संकेत मिलता है कि इस बार की जाति जनगणना में भी कई समस्याएं होंगी। जाति व्यवस्था न केवल हिंदुओं में, बल्कि अन्य धार्मिक समूहों में भी प्रचलित है। इससे जनगणना के दौरान समस्याएं पैदा हो सकती हैं। बौद्ध, जैन और सिख भी व्यवहार में जातियों में विभाजित हैं। ईसाइयों में लगभग 300 जातियां दर्ज हैं और मुसलमानों में 500 जातियां व्यवहार में हैं, हालांकि उनका सैद्धांतिक दृष्टिकोण यह है कि उनके बीच कोई जाति विभाजन नहीं है। सभी धर्मों में दलित, आदिवासी और ओबीसी हैं। वास्तव में, हिंदू जहां भी गये, वे दूसरे धर्मों में धर्मांतरण करने के बाद भी अपनी जातियों के साथ गये। दलित, आदिवासी और ओबीसी अपने धर्मों से इतर आरक्षण की मांग करते रहे हैं। वास्तविक जनगणना से पहले इस मुद्दे पर विशेष विचार करने की आवश्यकता होगी।

फिर भी, जनगणना के बाद, हमें यह जानकारी होगी कि लगभग 100 वर्षों के अंतराल के बाद, देश में जाति व्यवस्था वर्तमान में कैसे काम कर रही है। 1951 की जनगणना के दौरान, भारत सरकार ने केवल अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की जनगणना की अनुमति दी थी। इससे स्पष्ट तस्वीर सामने नहीं आयी, और इसलिए 1961 तक, केंद्र सरकार ने ओबीसी की जनगणना के लिए राज्यों को अनुमति दे दी, यदि वे ऐसा चाहें। यह एक तरह के सर्वेक्षण की अनुमति थी, लेकिन राष्ट्रीय जाति जनगणना से इनकार कर दिया गया।

1980 में मंडल आयोग ने ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश के साथ जाति के आंकड़ों को तीव्र गति से सामने लाया। प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने 1990 में मंडल आयोग की सिफारिश को लागू किया, जिसका इस देश के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन पर असर पड़ रहा है। भाजपा की कमंडल राजनीति, यानी हिंदुत्व सांप्रदायिक राजनीति इसके समानांतर चली। भाजपा 1998 और 1999-2004 में केंद्र में सरकार बनाने में सफल रही। उन्होंने अपनी हिंदुत्व ब्रांड की राजनीति में बड़ी संख्या में ओबीसी को शामिल किया।

कांग्रेस नेतृत्व वाले यूपीए शासन के दौरान सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) 2011 ने जाति के आंकड़े एकत्र किये, लेकिन जनगणना के निष्कर्ष कभी जारी नहीं किये गये। न तो भाजपा और न ही कांग्रेस ओबीसी राजनीति के प्रमुख लाभार्थी के रूप में उभरने में सक्षम थे। प्रमुख लाभार्थी सभी रंगों के समाजवादी बने रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014 से ही हिंदुत्व और ओबीसी की राजनीति कर रहे हैं। फिर भी, 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों ने उन्हें लोकसभा में 240 सीटों पर ला खड़ा किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सरकार बनाने के लिए अन्य राजनीतिक दलों से समर्थन लेने की जरूरत पड़ी, जिनमें से प्रमुख हैं - बिहार की जेडी(यू) और आंध्र प्रदेश की टीडीपी, दोनों का ओबीसी और दलितों के बीच अच्छा-खासा आधार है।ध्यान रहे कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) ने लोकसभा चुनाव से पहले आजाद भारत में देश का पहला जाति सर्वेक्षण 2023 में कराया था, जब वे आरजेडी और कांग्रेस के साथ महागठबंधन में थे। नीतीश कुमार ने 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले इंडिया ब्लॉक छोड़कर एनडीए का दामन थाम लिया। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना की मांग की और ओबीसी राजनीति को राजनीति के केंद्र में ला दिया।

हरियाणा के पानी को लेकर इनैलो ने किया प्रदर्शन, दिया पीएम के नाम ज्ञापन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

करनाल, 05 मई। करनाल में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) कार्यकताओं ने सडकों पर उतरकर पंजाब सरकार के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पंजाब ने हरियाणा के हक का पानी बंद कर दिया है, जिससे किसान, कमेरा वर्ग और महिलाएं पानी के लिए तरस रहे हैं। इनेलो की महिला नेता सुनैना चौटाला की अगुआई में कार्यकर्ता डीसी कार्यालय पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा। सुनैना चौटाला ने कहा कि हरियाणा के लोग पानी की एक-एक बूंद को तरस रहे हैं, लेकिन पड़ोसी राज्य पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान इस मुद्दे को गंभीरता से लेने की बजाय मंच पर हंस-हंस कर कह रहे हैं कि वे एक बूंद पानी नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि हम उनका नहीं, बल्कि हरियाणा के हिस्से का पानी मांग रहे हैं, जो सुप्रीम कोर्ट भी तय कर चुका है। इस प्रदर्शन में शामिल लोगों के लिए गर्मी के चलते व्यापार सेल की तरफ से पानी की छबील भी लगाई गई।कॉमेडी नहीं, इंसानियत दिखाएं पंजाब के सीएमइनेलो नेता सुनैना चौटाला ने आरोप लगाया कि पंजाब के मुख्यमंत्री ने राजनीतिक मंच को कॉमेडी मंच बना दिया है। वे इंसानियत को भूलकर ऐसा बर्ताव कर रहे हैं, जैसे हरियाणा के लोग उनके दुश्मन हों। उन्होंने हाथ जोडकर अपील की कि पंजाब के मुख्यमंत्री राजनीतिक कम करें और गर्मी में प्यासे को पानी पिलाने की इंसानियत दिखाएं। जब किसानों की आवाज न उठा सके, तो अब पानी पर सियासत कर रहे सुनैना ने कहा कि हमने हमेशा पंजाब को बड़े भाई का दर्जा दिया है, लेकिन जब वहां के मुख्यमंत्री किसानों की आवाज नहीं उठा सके, तो डल्लेवाल जैसे नेता भूख हड़ताल पर बैठे। अब जब कुछ नहीं कर सके, तो उन्होंने पानी की राजनीति शुरू कर दी है। चौधरी देवी लाल और ओमप्रकाश चौटाला ने शुरू की थी पानी की लड़ाई इनेलो के युवा नेता रिंकू चौधरी ने कहा कि पानी के अधिकार की यह लड़ाई नई नहीं है। चौधरी देवीलाल और ओमप्रकाश चौटाला ने इस मुद्दे को हमेशा प्राथमिकता दी और पार्टी के हर कार्यकर्ता को इसके लिए सजग किया। आज उसी रास्ते पर चलते हुए इनेलो कार्यकर्ता सडक पर उतरे हैं और प्रधानमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। प्रधानमंत्री से की सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू करवाने की मांग ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री से आग्रह किया गया कि वे इस गंभीर मामले में हस्तक्षेप करें और सुप्रीम कोर्ट द्वारा हरियाणा के पक्ष में दिए गए आदेश- जिसमें एसवाईएल का पानी हरियाणा को देने की बात कही गई है, को तुरंत लागू करवाएं, ताकि दो राज्यों के बीच टकराव और मनमुटाव की स्थिति न बने। सुनैना चौटाला ने मौजूदा हरियाणा सरकार को भी घेरा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बीजेपी की सरकार है और केंद्र में भी, फिर भी बीबीएमबी में पिछले 10 वर्षों से हरियाणा की ओर से कोई प्रतिनिधि नहीं बैठा है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार कब तक चुप बैठी रहेगी? अंत में उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार अपना पानी न दे, लेकिन हरियाणा के हक का पानी जरूर दे। यह पानी किसी पर एहसान नहीं बल्कि हरियाणा का अधिकार है।

डीएलएसए के द्वारा 11 व 31 मई को लगाए जाएगें जागरूकता कैंप

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सोनीपत, 05 मई। मुख्य न्यायिक दंडधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएलएसए) सोनीपत के सचिव प्रचेता सिंह ने बताया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं डीएलएसए सोनीपत के तत्वाधान में 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर जाखौली गांव के ग्राम सचिव में एवं 31 मई को सीओटीपीए अधिनियम के तहत विशेष कार्य बल के सहयोग से विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर नागरिक अस्तपाल, सोनीपत में कानूनी साक्षरता शिविर का आयोजन किया जाएगा।

551 ग्राम अफीम सहित एक व्यक्ति गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 05 मई। हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने बाइक सवार व्यक्ति 551 ग्राम अफीम बरामद कर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यूनिट कुरुक्षेत्र के एसआई संजय कुमार ने बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेश पर क्षेत्र में नशे के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। जिसके तहत वे अपनी टीम के साथ मोहन नगर चौक कुरुक्षेत्र, थर्ड गेट कुरुक्षेत्र, ज्योतिसर, मुर्तजापुर, 152 डी से होते हुए शाम के वक्त गांव मलिकपुर में शिव मंदिर के पास मौजूद थे। उसी समय उन्हें गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति अफीम बेचने का काम करता है और आज वह अपनी बाइक पर अफीम लेकर बेचने के लिए अपने घर से पिहोवा की तरफ जा रहा है। पुलिस ने शिव मंदिर पर ही नाका लगा कर चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति बाइक पर आता दिखाई दिया। जो पुलिस को देखकर बाइक मोड़ कर भागने लगा तो पुलिस ने उसे पकड़ लिया। जब उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से पुलिस ने 551 ग्राम अफीम बरामद हुई। व्यक्ति की पहचान शमशेर सिंह वासी डेरा निशान सिंह गांव तलहेडी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच एएसआई प्रदीप कुमार कर रहे है।

कुवि कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

हरियाणा वाटिका/एकता दुग्गल

कुरुक्षेत्र, 05 मई। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार के पूर्व कुलसचिव व कुवि के इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग प्रोफेसर अवनेश वर्मा की अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक डाटा रिकवरी टेक्निक्स फॉर कंप्यूटर फोरेंसिक का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने उनको इस उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई दी और इसी प्रकार शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने की प्रेरणा के साथ शुभकामनाएं प्रेषित की। प्रो. अवनेश वर्मा ने बताया कि यह किताब बेन्थम बुक्स रॉबिनसन्स रोड सिंगापुर से प्रकाशित हुई है। इसमें प्रो अवनीश वर्मा के साथ प्रो. अलेक्स खंग, कैलिफोर्निया अमेरिका से, सचित धनखड़, संदीप भरद्वाज और सतीश कुमार शर्मा भारत से एडिटर्स हैं। प्रो वर्मा ने बताया की इस पुस्तक को दो श्रेणियों के व्यक्ति लाभ उठा सकतें हैं। एक तो वह सामान्य व्यक्ति भी पढ़ सकते हैं जिन्हें विज्ञान के बारे में बहुत कम या बिलकुल भी जानकारी नहीं है। दूसरे वह जो अकादमिक और सरकारी संगठनों के पेशेवर से सम्बन्ध रखते हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तक में ग्यारह अध्याय हैं।

कुवि कुलसचिव ने किया देवी हॉस्टल का निरीक्षण

हरियाणा वाटिका/एकता दुग्गल

कुरुक्षेत्र, 05 मई। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल ने सोमवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के देवीलाल हॉस्टल में औचक निरीक्षण किया व हॉस्टल में छात्रों के साथ बैठकर दोपहर का लंच भी किया। उनके साथ चीफ वार्डन प्रो. जसबीर ढांडा भी मौजूद थे। कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के निदेशार्नुसार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के साथ-साथ उनको हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

देवीलाल हॉस्टल में कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल ने छात्रों से बातचीत की व खाने की गुणवत्ता की भी जांच की। उन्होंने विद्यार्थियों को हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करवाने व किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उसके समाधान का आश्वासन दिया।

किसान और जवान हमारे देश की रीढ़, किसानों को उत्पादकता, गुणवत्ता व पौष्टिकता पर विशेष ध्यान देना चाहिए: एसडीएम मनोज दलाल

सपनों की उड़ान मैराथन में विजेता खिलाडियों को नगद पुरस्कार देकर एसडीएम ने किया सम्मानित

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 05 मई। सोमवार को सिंघानी के शहीदी स्टेडियम में कोटेर्वा एग्री साइंस पायनियर कंपनी द्वारा 86 एम 94 बाजरा तथा सपनों की उड़ान मैराथन का आयोजन किया गया। बाजरा जैसे मोटे अनाज के प्रचार प्रसार के लिए तथा नशा मुक्ति अभियान के तहत युवाओं को नशा मुक्त बनाने के लिए गांव इस अवसर पर युवाओं को नशा मुक्ति अभियान के तहत नशे से दूर रहने तथा बाजरा जैसे मोटे अनाज की पौष्टिकता के बारे बताया गया। कार्यक्रम में किसान संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया और बाजरे की अधिकतम पैदावार के बारे में उत्तम किस्म के बीज और उर्वरकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में एसडीएम मनोज दलाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

एसडीएम ने कहा कि किसान और जवान हमारे देश की रीढ़ है। किसान देश के लिए अन्न पैदा करता है और जवान देश की

सीमाओं की रक्षा करता है। किसानों को उत्पादकता, गुणवत्ता व पौष्टिकता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और किसान समाज की रीढ़ है। खेतों की जोत घटती जा रही है। पानी भी काम होता जा रहा है। इसलिए पैदावार बढ़ाने के लिए किसान को परिवर्तन की जरूरत है। मोटे अनाज में पौष्टिकता भी अधिक होती है। पुराने समय में मोटा अनाज ही खाया जाता था। सभी लोग स्वस्थ रहते थे और कोई भी बीमारी उनके शरीर में नहीं आती थी। बाद में पाश्चात्य संस्कृति से हमारा खानपान और रहन सहन बदलता जा रहा है। इसलिए हमें बाजरा जैसे मोटे अनाज पर ध्यान देना चाहिए और प्राकृतिक खेती करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत एक युवा देश है। युवाओं की संख्या सर्वाधिक है इसलिए युवाओं को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग करना चाहिए। देश की उन्नति और प्रगति में अपना सकारात्मक योगदान देना चाहिए। नशा नास की जड़ है। युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए। उन्होंने विजेता खिलाडि?ों को पुरस्कार भी वितरित किए। मैराथन में प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चौथे स्थान पर रहने वाले खिलाडि?ों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पायनियर कंपनी के उत्तर भारत के मैनेजर हरेश मेघपारा, जोनल मैनेजर मनमोहन सिंह तथा क्षेत्रीय अधिकारी सुनील शर्मा तथा विक्रांत प्रताप सिंह ने 86 एम 94 बाजरे की पैदावार के बारे में जानकारी दी और कहा कि यह बाजार सबसे ज्यादा पैदावार देता है। कार्यक्रम में किसान रोशन लाल, अजीत सिरसली, संदीप शर्मा ने भी अपने अनुभव साझा किय। कार्यक्रम में सिंघानी के सरपंच संजीत श्योराण ने मुख्य अतिथि तथा अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने एसडीएम मनोज दलाल, सरपंच रामपाल, अजीत सिंह, प्रतिनिधि होशियार सिंह, हरियावास से राजवीर सिंह, मांगेराम खोरड़ा, सिंघानी से सुरेंद्र शर्मा ,पूर्व सरपंच मुख्तार सिंह, नंबरदार राजपाल, प्राचार्य कमलेश, रामचंद्र पीटीआई, सहित अनेक किसान, खिलाड़ी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

किसी अनजान व्यक्ति के बहुमूल्य जीवन को बचा सकती है रक्त की एक बूंद : सुभाष सुधा

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के 71वें जन्मदिन पर लगाया रक्तदान शिविर, 123 यूनिट किया रक्तदान

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 05 मई। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि देश व आमजन के लिए रक्तदान महान कार्य है। किसी भी अनजान व्यक्ति के बहुमूल्य जीवन को बचाने में रक्त की एक-एक बूंद अहम भूमिका अदा कर सकती है। रक्तदान एक बेहद पुण्य का कार्य है। इस पुण्य कार्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति को तत्पर रहने की जरूरत है। इस कार्य में दूसरों का जीवन बचाने के लिए युवा वर्ग बढ़चढ़ आगे आया है। इसका सबसे बड़ा कारण युवाओं के लिए नौकरियों में पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल द्वारा बिना खर्ची-पर्ची के मेरिट के आधार पर नौकरी देना है। युवाओं में केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल के लिए काफी पसंदीदा बने हुए हैं। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा सोमवार को अपने आवास कार्यालय सेक्टर 7 में केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल के 71वें जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, नप चेयरमैन माफी ढांडा, भाजपा युवा मोर्चा के जिला

अध्यक्ष साहिल सुधा, पूर्व नप अध्यक्षा उमा सुधा ने दीप शिखा प्रज्ज्वलित करके विधिवत रूप से रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। इस रक्तदान शिविर में 123 लोगों ने रक्तदान किया। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल को 71वें जन्मदिन की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश का अनेक योजनाओं को लागू करते हुए विकास कार्य करवाएं हैं। इनमें सबसे बड़ा कार्य रोजगार के क्षेत्र में किये गये परिवर्तन का रहा है। युवाओं को सरकारी क्षेत्र में मेरिट के आधार पर नौकरी दी है।

इस नीति के बाद युवाओं ने कोचिंग सेंटर और पुस्तकालयों में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हुए किताबों को अपना नजदीकी बना है। किताबों से लिया हुआ ज्ञान व्यक्ति को सफलता तक लेकर जाता है। साथ की कौशल रोजगार निगम का गठन कर मेरिट के आधार पर रोजगार मुहैया करवाया है। इसके अलावा कर्मचारियों के लिए आनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू की है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में हरियाणा एक हरियाणवी एक और सबका साथ सबका विकास का नारा दिया। इसके तहत पूरे प्रदेश का समान विकास करवाया गया। किसी भी हलके के साथ कोई भेदभाव नहीं किया। प्रदेश के किसी भी कोने के साथ भेदभाव नहीं किया। जिसका परिणाम ये रहा कि तीसरी बार प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई है। उन्होंने हर वर्ग के लिए योजनाएं तैयार की और उन्हें धरातल पर लागू किया। परिवार पहचान पत्र की योजनाएं लाकर योजनाओं को आनलाइन व्यवस्था के साथ जोड़ा। केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल की सोच के कारण ही बुजुर्गों की 60 वर्ष पूरे होते घर बैठे पेंशन लागू की जा रही है। इस मौके पर भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष साहिल सुधा, पार्षद सुधीर चुघ, पार्षद सतीश गर्ग, पार्षद मनिंद्र छिंदा, पार्षद कवि बजाज, टोनी मदान, राम मेहर शास्त्री महिन्द्र मेहता, दरबारा सैनी, मुल्खराज अनेजा, सचिन यादव, गगन कोहली, पार्षद कमल किशोर, विवेक रावत, नरेन्द्र जांगडा, नरेश सैनी आदि मौजूद थे।

मनचलों पर कार्यवाही करते हुए 15 बुलेट पटाखे बजाने वालों के मोटरसाइकिल किए इम्पाउंड

आमजन को सुरक्षा मुहैया करवाकर अपराध व अपराधियों की रोकथाम करना फतेहाबाद पुलिस का मुख्य ध्येय: एसपी सिद्धांत जैन

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

फतेहाबाद, 05 मई। जिला फतेहाबाद में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन, आईपीएस के निदेर्शानुसार कड़ी निगरानी की जा रही है। डीएसपी ट्रैफिक कुलवंत सिंह की अगुवाई में ट्रैफिक पुलिस की अलग-अलग टीमें बनाकर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है।

इसके साथ ही आमजन को यातायात नियमों का पालन करने बारे भी जागरूक किया जा रहा है। बुलेट बाइक से पटाखे की आवाज निकालकर क्षेत्र में दहशत पैदा करने वाले तथा मॉडिफाइड साइलेंसर युक्त बुलेट पर विशेष तौर पर पैनी

नजररखी जा रही है। बीते सप्ताह में 15 बुलेट का पटाखा बजाने पर कार्यवाही करने के साथ-साथ उसका साइलेंसर भी उतरवाया गया।बीते सप्ताह के दौरान ट्रैफिक पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से काफी सख्ती से पेश आई। गत सप्ताह के दौरान यातायात पुलिस द्वारा कुल 3546 वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही की गई। पुलिस द्वारा मुख्य रूप से वाहन पर बिना नंबर प्लेट के 41, ब्लैक फिल्म का 5, खतरनाक तरीके से ड्राइविंग का 268, शराब पीकर गाडी चलाने वालों के 9, लेन ड्राइविंग 705 तथा बिना मोटरसाइकिल पर तीन सवारी के 64 वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही की गई। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने कहा कि आमजन वाहन चलाते समय यातायात नियमों के प्रति लापरवाही बरतते हैं, जिसकी वजह से हम खुद सहित दूसरों के जीवन को खतरे में डालते हैं। पुलिस का उद्देश्य चालान काटने का नहीं है, बल्कि आमजन की जिंदगी बचाना है। सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं में होने वाले जान-माल के नुकसान को कम करने के लिए पुलिस प्रयासरत है। ऐसे में आमजन समाज के एक जिम्मेदार व समझदार नागरिक होने के नाते यातायात नियमों का पालन करें।

भाविप अध्यक्ष ने पिता की बरसी पर गौ माता को हरा चारा खिला कर की सेवा

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 05 मई। भारत विकास परिषद शाखा रतिया के गतिविधि संयोजिक सेवा जनक राज गोयल ने जानकारी देते हुआ बताया कि सेवा के प्रकल्प लगातार लगाते हुए दिनांक चार मई को शाम को 6.30 बजे श्री कृष्ण गौशाला रतिया मे भाविप अध्यक्ष श्री राजकुमार सिंगला के पिता स्वः लाला रामकरण दास जी करण्डी

वाले की बरसी के उपलक्ष्य मे गौ माता को हरा चरा खिलाने की सेवा की । इस सेवा मे सरंक्षक डॉक्टर नरेश गोयल , अध्यक्ष राज कुमार सिंगला , गतिविधि संयोजक सेवा जनक राज गोयल , गतिविधि संयोजिक पर्यावरण गुरविंदर सिंह , सहसचिव नरेंद्र मलिक, विपिन बंसल(पिंटू), मक्खन लाल गोयल , गिरधारी लाल सिंगला ,नन्ही बच्चियां आराध्य सिंगला , हिमानी सिंगला , माधव सिंगला एवं हितांशी जैन ने सेवा करके गौ माता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

गुरुकुल में मिली शिक्षा व संस्कारों का प्रचार-प्रसार करें : डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 05 मई। गुरुकुल कुरुक्षेत्र से अपनी शिक्षा पूर्ण कर वर्तमान में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे पूर्व छात्रों की एक अहम बैठक गुरुकुल परिसर में हुई। इनमें डॉक्टर, इंजीनियर, अधिवक्ता, फौजी, उद्यमी और सरकारी विद्यालयों में सेवाएं प्रदान कर रहे अध्यापक शामिल रहे। गुरुकुल में पहुंचने पर प्रधान राजकुमार गर्ग एवं प्राचार्य सूबे प्रताप ने सभी पूर्व छात्रों का अभिनन्दन किया। इस दौरान हुए विशेष संवाद सत्र में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने कहा कि किसी भी संस्था के उत्थान हेतु सकारात्मक सोच और पूरी निष्ठा व ईमानदारी से कार्य करने वाली एक टीम की जरूरत होती है। आचार्य देवव्रत के ओजस्वी मार्गदर्शन में गुरुकुल कुरुक्षेत्र आज देश-विदेश में अपनी अलग पहचान रखता है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कई बार अपने भाषणों में गुरुकुल कुरुक्षेत्र की शिक्षण प्रणाली, यहां की गोशाला, प्राकृतिक चिकित्सालय और प्राकृतिक कृषि फार्म का उल्लेख कर चुके हैं। अब हम सभी का यह दायित्व बनता है कि जो प्रतिष्ठा आचार्य श्री ने गुरुकुल कुरुक्षेत्र की बनाई है, उसे हमेशा बनाकर रखें और संभव हो तो उसमें वृद्धि करें। उन्होंने पूर्व छात्रों से आग्रह किया कि गुरुकुल में मिली शिक्षा और संस्कारों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें ताकि युवाओं को समाज में फैली बुराइयों से बचाया जाए सके और वे समाज में सजग प्रहरी बनकर देश की उन्नति में सहायक बनें। इस अवसर पर व्यवस्थापक रामनिवास आर्य, आर्यसमाज यमुनानगर के प्रधान मोहित आर्य भी मौजूद रहे।

ब्रह्मसरोवर की मासिक परिक्रमा में शामिल हुए श्रद्धालु

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 05 मई। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज की प्रेरणा से श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार द्वारा ब्रह्मसरोवर की मासिक परिक्रमा की गई। सर्वेश्वर महादेव के सामने से इस परिक्रमा का शुभारंभ श्री ब्राह्मण एवं तीर्थोद्धार सभा के प्रधान यशेन्द्र शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। यशेन्द्र शर्मा ने कहा कि गीता मनीषी जी की प्रेरणा से गीता का घर-घर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। आज विदेशों में भी गीता की गूंज सुनाई पड रही है। परिक्रमा में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव प्राधिकरण के सदस्य विजय नरुला, डा. राजेश अत्री, प्रवीण गुप्ता, धर्मपाल शर्मा, विनोद शर्मा, पवन भारद्वाज, राजू, नवीन भारद्वाज, जोगिन्द्र शर्मा, तरुण धमीजा, रिदम शर्मा, रामकुमार शर्मा, रामाकांत शर्मा, केसी कत्याल, कविता धवन, मनीक्षी नरुला, विजय कुमार, अनिल शर्मा, अशोक अरोड़ा, लक्ष्मण दास, विवेक शर्मा, पवन शर्मा, अरविंद जिंदल, मुनीष खुराना, राजीव बंसल और वेद प्रकाश धवन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। गीता ज्ञान संस्थान के मीडिया प्रभारी रामपाल शर्मा ने जानकारी दी कि पूज्य गुरुदेव स्वामी ज्ञानानंद जी का जन्म दिवस प्रत्येक वर्ष की भांति राधा जागरण उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष 15 मई को यह कार्यक्रम गुरुग्राम में श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार की ओर से आयोजित किया जाएगा।

द अल्पाइन टॉप स्कूल के बच्चों को वर्ल्ड प्रेस डे पर प्रेस में लेजाकर दिखाई गई अखबार छपाई की प्रक्रिया

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 05 मई। वर्ल्ड प्रेस डे के अवसर पर स्ट्रीट मेल न्यूजपेपर प्रेस में एक विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर बच्चों को प्रेस का भ्रमण कराया गया और उन्हें अखबार छापने की पूरी प्रक्रिया से रूबरू कराया गया।बच्चों ने सबसे पहले न्यूज रूम का दौरा किया, जहाँ पत्रकार समाचार संकलन और लेखन का कार्य करते हैं। इसके बाद उन्हें बताया गया कि कैसे डिजाइन टीम हेडलाइन, फोटो और लेखों को आकर्षक ढंग से सजाती है। प्रेस रूम में जाकर उन्होंने विशाल प्रिंटिंग मशीनों को देखा, जो एक घंटे में हजारों प्रतियां छापने में सक्षम हैं।

बच्चों ने यह भी जाना कि अखबार छापने में किन-किन कागज और स्याही का प्रयोग होता है, और छपाई के बाद अखबारों को कैसे काटा और मोड़ा जाता है। अंत में उन्हें वितरण प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई – कि कैसे छपे हुए अखबार पाठकों तक पहुँचते हैं।यह अनुभव बच्चों के लिए बेहद रोचक और ज्ञानवर्धक रहा। इससे उन्हें मीडिया की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने का अवसर मिला।

बुजुर्ग पूजन के साथ मनाया पूर्व सीएम मनोहर लाल का जन्मदिन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

करनाल, 05 मई। साढ़े 9 साल बतौर मुख्यमंत्री सुशासन और पारदर्शिता की मिसाल पेश करने वाले हरियाणा के लाल मनोहर लाल का जन्म दिवस सेवा कार्यों के रूप में मनाया गया। इसी कड़ी में शहर के निर्मल धाम वृद्ध आश्रम में उनके जन्मदिवस को बुजुर्ग पूजन के रूप में मनाया गया। हवन यज्ञ के साथ आयोजन की शुरूआत की गई स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाईस चेयरमैन सुभाष चंद्र के साथ भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर, मेयर रेनू बाला गुप्ता और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के सांसद प्रतिनिधि कविंद्र राणा ने निर्मल धाम स्थित वृद्ध आश्रम रह रहे बुजुर्गों का फूल माला पहनाकर और पुष्प वर्षा कर उनका आशीर्वाद लिया। उसके बाद बुजुर्गों को लंगर प्रसाद खिलाया। भारत माता की जय के नारो के साथ संत निक्का सिंह स्कूल के बच्चों ने शब्द गायन कर ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के अच्छे स्वास्थ्य और लंबी आयु की कामना की। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर ने कहा कि हमारे लोकप्रिय नेता और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के जन्म दिवस को सेवा कार्यों के रूप में मनाया जा रहा है।

धरती पर मां को भी भगवान का दर्जा दिया गया : तपस्विनी भारती

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 05 मई। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा मल्टी आर्ट कल्चरल सेंटर कुरुक्षेत्र में संस्थान के नारी सशक्तिकरण कार्यक्रम संतुलन के अन्तर्गत मातृ दिवस पर मातृशक्ति तुभ्य नमः शीर्षक के अन्तर्गत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 500 से अधिक महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। इस अवसर पर दिव्य गुरु आशुतोष महाराज की शिष्य साध्वी सुश्री तपस्विनी भारती ने उपस्थित गणमान्य अतिथियों को संबोधन करते हुए कहा कि धरती पर मां को भी भगवान का दर्जा दिया गया है। एक बच्चे के जीवन में मां को पहली शिक्षिका माना जाता है। बच्चों की नियमित गतिविधियों पर नजर रखने और हर संभव तरीके से उनके जीवन को संवारने में माताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। आज का यह कार्यक्रम मातृशक्ति तुभयं नमः उन्हीं माताओं को समर्पित है। साध्वी ने कहा नारी को अपने भीतर की सोई हुई आध्यात्मिक शक्ति को जागृत करना होगा। इससे ही समाज में नारी की स्थिति सशक्त हो पाएगी। जिसके लिए परम अवश्यकता है जीवन में ब्रह्मनिष्ठ गुरु की। गुरु के द्वारा प्राप्त ब्रह्मज्ञान के द्वारा ही प्रत्येक व्यक्ति अपने घट में उस ज्योति का साक्षात्कार करके अपनी सोई हुई आत्मिक शक्ति को जागृत करता है। इस दौरान स्व जाग्रति नामक विचार गोष्ठी रखी गई, जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं ने भाग लिया। संस्थान की और से साध्वी गरिमा भारती ने नारी की वर्तमान स्थिति और नारी सशक्तिकरण हेतु आवश्यक पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों द्वारा एक दिलचस्प लघु नाटिका और नृत्य नाटिका का भी प्रदर्शन से माताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान ट्रस्ट की बैठक में भविष्य की योजनाएं तय।

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 05 मई। पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान ट्रस्ट जिला फतेहाबाद की मासिक बैठक रविवार शाम को टिब्बा कॉलोनी स्थित श्रीराम आश्रम शिव मंदिर प्रांगण रतिया में हिसार मंडल प्रभारी मदन गोपाल आर्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार से हुई। बैठक में कई अहम् बिंदुओं पर चर्चा के दौरान मंडल प्रभारी मदन गोपाल आर्य ने कहा कि जिला पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान ट्रस्ट द्वारा जून माह में जिले के सभी खंडों में सहयोग प्रशिक्षण शिविर लगाये जाएंगे। इन शिविरों का उद्देश्य जिले में अधिक से अधिक सहयोग शिक्षक तैयार करना है,ताकि जिले के प्रत्येक गांव में योग की निःशुल्क कक्षा स्थापित की जा सके। जिला स्तर पर प्रशिक्षण लेने के बाद इन सहयोग शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए पतंजलि योगपीठ हरिद्वार भेजा जाएगा। बैठक में जिले में चल रही योग कक्षाओं की समीक्षा की गई और सभी उपस्थित जनों से योग कक्षाएं की संख्या बढ़ाने का आह्वान किया गया। इसके अलावा मई माह में जिले के प्रत्येक खंड में मोटापा,मधुमेह,उच्च रक्तचाप,गठिया आदि बीमारियों से मुक्ति हेतु दो सात दिवसीय निःशुल्क योग शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

पंतजलि योग समिति के जिला प्रभारी धर्मवीर ललित ने जिले में चल रही समिति की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी तरुण मेहता ने जिले में संगठन की गतिविधियों को अधिक से अधिक करने का आश्वासन दिया। इस बैठक में तहसील प्रभारी वीरेंद्र मेहता,प्रैस प्रवक्ता सुरेश मंगला,युवा प्रभारी संजीव गोयल,देवी लाल चन्दौरा,बलविंद्र सिंह,जिम्मी पाहवा,अनिल मेहता,दविंद्र बजाज,मनदीप कौर,कमलेश रानी आदि सदस्य मौजूद थे। बैठक समाप्ति पर शांतिपाठ एवं सभी के उत्तम स्वास्थ्य के लिए मंत्रोच्चार से मंगल कामना की गई।

पौधारोपण कर मनाया केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर का जन्मदिवस

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 05 मई। वरिष्ठ भाजपा नेता रामनिवास राड़ा ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर का जन्मदिवस पौधारोपण कर मनाया। उन्होंने शहर के अनेक पार्कों में त्रिवेणी, बड़, पीपल, आम, जामुन आदि के अनेक फलदार व छायादार पौधे लगाए। उन्होंने महाराजा शुरसेन सैनी पार्क, श्री श्याम पार्क, मुल्तानी चौक पार्क, शांति नगर पार्क, चंदुलाल गार्डन पार्क, मधुबन पार्क, ऑटो मार्किट जिंदल पार्क, श्री शिवाजी पार्क व मिलगेट जिंदल पार्क में पौधारोपण किया। इस अवसर पर रामनिवास राड़ा ने मनोहर लाल खट्टर की दीर्घायु एवं उनके स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए कहा कि हरियाणा के विकास में मनोहर लाल खट्टर का विशेष योगदान है जिन्होंने ह्यहरियाणा एक-हरियाणवी एकह्न का नारा देकर बिना किसी भेदभाव के प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति को समान समझते हुए हरियाणा में समग्र विकास कार्य करवाए। प्रदेश में ह्यखर्ची-पर्चीह्न के सिस्टम को खत्म करके उन्होंने हरियाणा को भ्रष्टाचार मुक्त बनाकर ईमानदारी व पारदर्शिता के साथ शासन चलाया और प्रदेश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए। उनके प्रयासों से प्रदेश के लाखों युवाओं को उनकी योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियों मिलीं। उनका व्यक्तित्व प्रेरणादायक एवं अनुकरणीय है। अब वे केंद्रीय मंत्री के रूप में अपनी जिम्मेवारी को पूरी निष्ठा व परिश्रम से निभा रहे हैं। रामनिवास राड़ा ने कहा कि हम ईश्वर से उनके दीर्घायु व उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हैं।

जिला की मंडियों में 8 लाख 5 हजार 154 मीट्रिक टन गेहूं की आवक

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

करनाल, 05 मई। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि जिला की मंडियों में गेहूं की आवक निरंतर जारी है। मंडियों में गेहूं की आवक के दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध पहले से ही पूरे कर लिए गए थे और मंडी में खरीद व्यवस्था सुचारू ढंग से चल रही है। उन्होंने बताया कि रविवार तक जिला में करीब 8 लाख 5 हजार 154 मीट्रिक टन गेहूं की आवक विभिन्न परचेज सेंटरों व मंडियों में हुई जिसमें से खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा 448804 मीट्रिक टन तथा हैफेड द्वारा 331119 मीट्रिक टन व हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 25231 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया।

चिकित्सकों ने सीएम के ओएसडी बडखालसा को करवाया विभिन्न समस्याओं से अवगत, सौंपा ज्ञापन

चिकित्सकों ने ओएसडी के समक्ष उठाई आयुष्मान योजना के तहत आने वाली समस्याओं के समाधान की मांग

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 05 मई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) विरेंद्र सिंह बडखालसा सोमवार को स्थानीय दिनोद गेट स्थित अंचल नर्सिंग होम में पहुंचे। यहां पहुंचने पर चिकित्सकों द्वारा ओएसडी विरेंद्र सिंह बडखालसा का स्वागत किया गया। इस मौके पर चिकित्सकों के प्रतिनिधिमंडल ने डा. विनोद अंचल की अगुवाई में ओएसडी को आयुष्मान योजना सहित विभिन्न समस्याओं का मांगपत्र भी सौंपा तथा उन समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करवाए जाने की गुहार भी लगाई।

इस मौके पर सीएम के ओएसडी विरेंद्र सिंह बडखालसा ने चिकित्सकों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए उनकी समस्याओं को मुख्यमंत्री से त्वरित समाधान करवाए जाने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। आयुष्मान योजना के व्यापक लाभों की जानकारी देते हुए बडखालसा ने कहा कि इस योजना के तहत गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव आया है। तथा आयुष्मान योजना को और प्रभावी बनाने के लिए जमीनी स्तर पर चिकित्सकों की भूमिका अहम है तथा सरकार चिकित्सकों

की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक जन तक स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से पहुंचाना है, जिसके लिए आयुष्मान कार्ड योजना लागू की गई थी तथा इसका असर अब जमीनी स्तर पर दिखने भी लगा है तथा भविष्य में इसके और भी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। इस मौके पर एक राष्ट्र-एक चुनाव के जोन प्रभारी डा. विनोद अंचल ने सरकार के एक राष्ट्र-एक चुनाव के फैसले के बारे में बोलते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव होने की वजह से देश का काफी पैसा व समय बचेगा, जिससे देश विकास के पथ पर तेज प्रगति से आगे बढेगा और जल्द विकसित भारत का सपना पूरा होगा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय परिषद के सदस्य शंकर धूपड़, डा. कृष्ण कुमार, डा. अनिता अंचल, नीमा हरियाणा के संरक्ष डा. आरबी गोयल, नीमा भिवानी के प्रधान डा. राजेश शर्मा, सचिव डा. आत्मप्रकाश, डा. नवीन अंचल, डा. अंकुर गिरधर, भिवानी आईएमए प्रधान डा. नरेश गर्ग, डा. राजीव गिरधर, भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रधान डा. राजेश गोरा, डा. अमित वर्मा, डा. शेर सिंह, डा. दीक्षांत, डा. योगेंद्र देशवाल, डा. सुमिता देशवाल, डा. छबीलदास, पवन अंचल, नरेंद्र तनेजा, सुनील जैन, नरेंद्र छपवारिया, सुभाष, नंद गोपाल, बिल्लू खरकिया, विनोद, प्रेम, हरीश, विरेंद्र सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सही समय पर दिया जाएगा पाकिस्तान को करारा जवाब: किरण चौधरी

- भाखड़ा के पानी पर हरियाणा अपना हक लेकर रहेगा: किरण चौधरी- केंद्रीय ऊर्जा मंत्री एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के जन्म दिवस के उपलक्ष में आयोजित रक्तदान शिविर को राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने किया बतौर मुख्य अतिथि संबोधित

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 05 मई। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पाकिस्तान को सही समय पर करारा जवाब दिया जाएगा ताकि वह फिर से भारत की तरफ आंख उठा कर देखने की हिम्मत ना करें। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भाखड़ा के पानी पर ओछी राजनीति कर रहे हैं जबकि भाखड़ा के पानी का बंटवारा पहले ही हो चुका है, जिसमें हरियाणा का हक है। हरियाणा अपना हक लेकर रहेगा। इसके लिए सिंचाई तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रति चौधरी निरंतर केंद्रीय और प्रदेश के नेताओं के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य करवाना ही उनका प्रमुख ध्येय और धर्म है।

राज्यसभा सांसद श्रीमती चौधरी केंद्रीय ऊर्जा मंत्री एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के जन्मदिवस के अवसर पर शहर के हांसी गेट स्थित श्री रामकुंज सत्संग धाम में आयोजित रक्तदान शिविर को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहीं थी। उन्होंने अपने संबोधन के माध्यम से केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल की दीघार्यु की कामना की। उन्होंने कहा कि मनोहर लाल का संदेश है कि जो भी काम करो, वो राष्ट्र और समाज के हित के लिए करो।

मनोहर लाल राष्ट्रवादी और जुबान के पक्के धनी हैं। देश और

हरियाणा प्रदेश को उनकी बहुत बड़ी जरूरत है। भिवानी कि जनता चाहती है कि भिवानी की तरफ उनका विशेष लगाव और बढ़े।

उन्होंने कहा कि पहलगांव जैसी दर्दनाक घटना के समय पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा पानी पर बेबुनियादी मुद्दा बनाना सरासर गलत है जबकि पूरा देश इस घटना से स्तब्ध है और पाकिस्तान के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री को एहसास हो चुका है कि दिल्ली की तरह ही उनकी भी राजनीतिक जमीन खिसक चुकी है। किरण चौधरी ने कहा कि जो भाखड़ा के पानी पर हक हरियाणा का बनता है, उसको हर हाल में लिया जाएगा। इसके साथ ही अपने संबोधन के दौरान किरण चौधरी ने समारोह में उपस्थित लोगों से पानी की एक-एक बूंद बचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण का संतुलन बिगड़ चुका है। दिन प्रतिदिन पानी कम होता जा रहा है। ऐसे में हमें पानी की कीमत को समझना होगा। उन्होंने कहा कि उनका और श्रुति चौधरी का मकसद केवल इलाके का अधिक से अधिक विकास कराना है, जिसके लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। आने वाले समय में यह इलाका और अधिक विकसित होगा, इसके लिए रूपरेखा तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा की भिवानी उनका घर और परिवार है तथा परिवार के लोग कभी अपनों से दूर नहीं होते। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भिवानी से विधायक विधायक घनश्याम सर्राफ ने भी अपने संबोधन के माध्यम से केंद्रीय ऊर्जा मंत्री एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी और उनकी लंबी उम्र की कामना की। उन्होंने कहा कि रक्त की एक बूंद जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान करती है। यह बहुत बड़ा समाज सेवा का कार्य है। उन्होंने लोगों से समाज हित में कार्य करने का आह्वान किया।

रक्तदान शिविर के संयोजक मीनू अग्रवाल ने राज्यसभा सांसद किरण चौधरी और विधायक घनश्याम सर्राफ के अलावा सभी मेहमानों का स्वागत किया और कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल परिवार के साथ उनके परिवार का गहरा नाता है और यह संबंध बरकरार रखेंगे। कार्यक्रम को भाजपा के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने भी संबोधित किया।

इस दौरान समाजसेवी नंदकिशोर अग्रवाल के अलावा 40 से अधिक सामाजिक संस्थाओं ने किरण चौधरी को शॉल, पगड़ी और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। रक्तदान शिविर के दौरान राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका हौसला बढ़ाया।

कार्यक्रम में अमर सिंह हालुवासिया, सिविल सर्जन डॉ. रघुवीर शांडिल्य, सुरेश सेन, प्रवीण गर्ग, डॉ बुधदेव आर्य, दिलबाग नीमडी, डॉ जय सिंह वाल्मीकि, विनोद चावला, हरीश हालुवासिया, मास्टर योगेश कांटीवाल, मोहनलाल बुवानीवाला, सुशील बुवानी वाला, भानु प्रकाश, विष्णु केडिया, संजय दुआ, मुकेश रहेजा, जवाहर मितथलिया और वासु शर्मा सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक और विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

लिटिल मिलेनियम प्री-स्कूल में भव्य पैरेंट ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 05 मई। लिटिल मिलेनियम प्री-स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत के अवसर पर अभिभावक-शिक्षक साझेदारी सुदृढ़ करने हेतु भव्य पैरेंट ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास में माता-पिता की सक्रिय भागीदारी के महत्व को रेखांकित करना था। कार्यक्रम में 60 से अधिक अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों द्वारा अभिभावकों का हार्दिक स्वागत करते हुए उन्हें स्कूल की शिक्षण पद्धति, पाठ्यक्रम रचनात्मक गतिविधियाँ तथा गतिविधि-आधारित लर्निंग मॉडल के लाभों से अवगत कराया गया। लिटिल मिलेनियम जो भारतभर में प्रारंभिक बाल शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान है, अपने अत्याधुनिक व यथार्थवादी लर्निंग लैब्स, सुरक्षित एवं रंगीन क्लासरूम्स तथा योग्यता-आधारित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए जाना जाता है। संस्थान की सूक्ष्म-स्तरीय कक्षा संरचना से प्रत्येक बच्चे को व्यक्तिगत ध्यान एवं सहयोग मिलता है। इस अवसर पर भावना और इशिका ने अभिभावको का स्वागत किया। शैक्षणिक प्रबंधक रेनू पुनिया ने प्रारंभिक बाल शिक्षा की महत्ता पर जोर देते हुए बताया कि माता-पिता का मार्गदर्शन बच्चों के मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। को-आर्डिनेटर ज्योति खनेजा ने आगामी शैक्षणिक गतिविधियों की रूपरेखा साझा की। अभिज्ञान और ऊर्जा बढ़ाने हेतु अंजली एवं प्रिय द्वारा एनर्जाइजर एक्टिविटीज का आयोजन किया गया, जिसने कार्यक्रम को और जीवंत बना दिया।

कुलपति ने किया आईआईएचएस की स्थानेश्वर पत्रिका का विमोचन

हरियाणा वाटिका/एकता दुग्गल

कुरुक्षेत्र, 05 मई। आईआईएचएस संस्थान द्वारा प्रकाशित स्थानेश्वर पत्रिका विद्यार्थियों की लेखन प्रतिभा का आईना है जिसमें विद्यार्थियों द्वारा अपने विचार, रचनाएँ कविता, कहानी, संस्मरण व अन्य लेखों के माध्यम से दिए गए हैं। किसी संस्थान की रचनात्मक एवं साहित्यिक पत्रिका वास्तव में नवोदित युवा प्रतिभाओं को रचनात्मक कार्य में संलग्न करने का एक मूल्यवान साधन होता है। यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने सोमवार को इंस्ट्रिट्यूट आफ इंटीग्रेटिड एंड आनर्स स्टडीज द्वारा प्रकाशित पत्रिका स्थानेश्वर का विमोचन करते हुए व्यक्त किए। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि यह पत्रिका अधिक से अधिक विद्यार्थियों के अंदर छिपे रचनात्मक कौशल का विकास करेगी तथा संस्थान की विशिष्ट उपलब्धियों को उजागर करेगी और छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। संस्थान की प्राचार्या डॉ. रीटा ने बताया कि यह पत्रिका संस्थान के कंप्यूटर विभाग के अध्यक्ष डॉ. अश्विनी कुश के मार्गदर्शन में शून्य लागत पर डिजाइन, संपादित और मुद्रित की गई है। यह पत्रिका संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड की गई है। इसमें छात्र संपादकों, शिक्षक संपादकों ने योगदान दिया है। यह पत्रिका तीन खंडों में अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत भाषा में है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल, प्राचार्या डॉ. रीटा व डॉ. अश्विनी कुश मौजूद थे।

बीड़ बबरान धाम में गूंजे श्याम बाबा के जयकारे, संकीर्तन में उमड़े श्रद्धालु

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 05 मई। महाभारतकाल की स्मृतियों को जीवंत करने वाले प्रसिद्ध बीड़ बबरान धाम में संकीर्तन का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस संकीर्तन के लिए श्याम बाबा के दरबार को सजाकर अलौकिक स्वरूप दिया गया। श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में माथा टेककर मन्नत मांगी और कष्टों के निवारण की कामना की। इस दौरान हिसार के विभिन्न गायकों ने भजन गाकर श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया। धाम के निज पुजारी विनय शर्मा ने अपने मधुर कंठ से ना जाने इस दर से

मुरादें कितनी पाई लोगों ने, भर गई हैं सब झोली जितनी फैलाई लोगों ने भजन गाकर मंत्रमुग्ध कर दिया। भजन सुनकर भक्तगण अपने इष्ट की आराधना करते हुए झूमने लगे और पूरा धाम श्याम बाबा की जय के जयकारों से गूंज उठा। निज पुजारी विनय शर्मा ने बताया कि लोगों की श्याम बाबा व बीड़ बबरान धाम के प्रति विशेष आस्था है। इसलिए यहां आयोजित होने वाले संकीर्तन व अन्य आयोजनों में विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु उमड़ते हैं। उन्होंने बताया कि संकीर्तन में पधारने वाले भक्तों ने श्याम बाबा के भव्य दरबार व हनुमान के मंदिरों के दर्शन किए।

इसके साथ ही भक्तों ने अखंड जोत, शिव परिवार, धूणा, घोड़े के पांव के निशान वाली शिला व मढ़ी के भी दर्शन किए। भक्तों ने महाभारतकालीन पीपल के वृक्ष एवं इसके छेदनुमान पत्तों का अवलोकन किया और पेड़ पर मौली बांधकर व नारियल चढ़ाकर अपनी आस्था व्यक्त की।

खुद को पुलिस बताने वाली महिला गिरफ्तार, पुलिस वर्दी बरामद

कोर्ट में पेश कर भेजा जाएगा जेल

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

फतेहाबाद, 05 मई। जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा निदेर्शानुसार पर जिले में अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाया जा रहा है। इसी विशेष अभियान के तहत उमेद सिंह, डीएसपी टोहाना के नेतृत्व में थाना सदर टोहाना पुलिस ने खुद को पुलिस कर्मचारी बताने वाली महिला को गिरफ्तार किया है। महिला एसआई शिक्षा के नेतृत्व मे पुलिस की टीम ने खुद को पुलिस कर्मचारी बताने वाली सनियानावासी एक युवती को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना सदर टोहाना के क्षेत्र वासी एक महिला ने पुलिस को अपनी दी हुई शिकायत में बताया कि महिला आरोपी सिमरन उसके पति की बहन बनी हुई है। अभी वर्तमान में हमारा आपस में पति-पत्नी मनमुटाव हो गया है। आरोपी महिला सिमरन उनके खनौरा स्थित घर पर आई और उसके साथ मारपीट कर के धमकाया। इस केस के संबंध मे पुलिस ने दिनांक 03.05.2025 को अभियोग न0 88 दिनांक 03.05.2025 धारा 115,168, 3(5), 319, 333, 85 बीएनएस थाना सदर टोहाना अंकित किया गया था। जिसमें जांच अधिकारी महिला एसआई शिक्षा ने कार्यवाही करते हुए आज गांव सनियाना से महिला आरोपी सिमरन उर्फ बेअंत कौर पत्नी हरप्रीत सिंह वासी सनियाना को काबू करने मे सफलता हासिल की है। गिरफ्तार की गई महिला आरोपी से पुलिस ने वर्दी भी बरामद की है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि उसने यह वर्दी कहां से ली और वर्दी पहन कर किस-किस को धमकाया तथा पैसे ऐंठे है। आरोपी महिला को कोर्ट मे पेश कर जेल भेजा जाएगा।

तेज आंधी के साथ आई बरसात से तापमान में गिरावट, बरसाती पानी जमा होने राहगीर रहे परेशान

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 05 मई। रविवार देर रात्रि आंधी तुफान के आदि आई बरसात से तापमान में गिरावट आने से मौसम सुहावना हो गया है। तेज हवा के साथ आई बरसात से सड?ों पर पेड़ टूट कर गिर गए जिससे गांव जाने वाले रास्ते कुछ समय के लिए बंद रहे। वहीं हवा व बरसात के चलते बिजली आपूर्ति भी पूरी रात बाधित रही। जिससे क्षेत्र के कई गांव अंधेरे में डूबे रहे। भारी बरसात के चलते शहर में जगह जगह पानी जमा होने लोगों को काफी दिक्कत रही। शहर में ठसका रोड पर पानी जमा होने से आने जाने वाले लोगों को काफी परेशानी रही। खासकर सुबह सुबह स्कूली बच्चों व बुजुर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शहरवासी मनदीप, संजीव, सुखा सिंह, वरुण आदि ने बताया कि थोड़ी बरसात में ही ठसका रोड पर काफी मात्रा में बरसाती पानी जमा हो जाता है। जिससे बच्चों को स्कूल जाने व लोगों को अपने काम पर जाने में काफी दिक्कत होती है। इस सड? पर काफी दुकाने है तथा यह सड? ठसका, रोहटी से होते हुए झांसा व कुरुक्षेत्र को जाती है। जिसके चलते इस सड? पर चहल पहल भी अधिक रहती है। दुकानदारों का कहना है कि दुकानों के आगे पानी जमा होने उनकी दुकानदारी भी प्रभावित होती है। शहरवासियों ने प्रशासन से मांग रखी है कि ठसका रोड पर बरसाती पानी की निकासी का पुख्ता प्रबंध किया जाए।

हरियाणा वाटिका
Email- haryanavatika@gmail.com

सरकारी स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाएगी जूही श्योकंद

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 05 मई। आज कल स्टेडेूटस में परीक्षाओं व स्टीडीज को लेकर मानसिक तनाव बढ़ रहा है परीक्षा में अव्वल अंक न आने के कारण स्टूडेंट आत्महत्या करने को मजबूर हो जाते है परिजनों की उम्मीदो पर खरा न उतरना छात्र छात्राओं पर मानसिक दबाब रहता है ऐसे में आज के बच्चों को काऊसर से काऊसिंग की जरुरत होती है। जूही श्योकंद छात्रो छात्राओं को बिना मानसिंक दबाव के परीक्षाओं कैसे पास करनी है आगे भविष्य में किस फिल्ड में आगे जाना है इसको लेकर बच्चो की काऊसिंग की जा रही है। उनके द्वारा बच्चो को मोबाइल से दूर रखने के तरीके बताए जाएगे। जूही श्योकंद ने कहा कि आगे सीबीएससी जेईएडवासल जेमैन की परीक्षा होनी है ऐसे छात्र परीक्षा के पहले दबाव में आ जाते है जब बच्चों का अडमीशन होता है तो बच्चों के माता पिता पर भारी भरकम फीस का असर पड़ता है परिजन भी बच्चों को लगातार रोक टोक में लगे रहते है जिसके कारण बच्चा दबाब में आ जाता है। खास बात ये देखी गई है बच्चे का मन किसी एक तरफ एजुकेशन होता है परंतु परिजन बच्चो जबरदस्ती दूसरी साइड में ले जाकर मानसिक दबाव बनाते है बच्चा परिजनो के दबाव में आ जाता है वह अपनी परीक्षा सही ढंग से नही

दे पाता या परीक्षाओ में अच्छे अंक नही ला पाता।

काऊंसलर जूही श्योकंद ने कहा कि आज के युवा नशे की गिरफत में आने से अपनी पढ़ाई की और ध्यान नही दे पाते उनकी गलत संगति के कारण भी बच्चा बिगड़ जाता है बच्चे आज कर सिगरेट, शराब, ड्रग्स लेने का शिकार हो जाते है आज सोशल मीडिया के ट्रेड़ को देखकर भी बच्चे गलत संगति का शिकार हो जाते है। जिसका खामियाजा परिजनों को भुगड?ा पडता है। ऐसे में परिजनों को अपने बच्चो की चाल चलन व्यवहार पर ध्यान रखने की जरुरत है। जूही ने कहा कि आज कल छोटे बच्चो की मोबाइल की आदत चलाने की खराब हो गई है छोटे बच्चे अपने माता पिता या खुद का मोबाइल इस्तेमाल करके गेम्स में ध्यान रखते है मोबाइल को बच्चों से दूर रख उन्हें कैसे ट्रीट करना चाहिए इसको लेकर हमारे में सैंटर जानकारी दी है। परिणाम आने पर पेंरेंट्स को काऊसर से सलाह जरुर लेनी चाहिए। काऊसर श्योकंद ने कहा कि 18 साल से कम और अठारह साल से ज्यादा बच्चों की काऊसिंग की सलाह जरुर लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वे हिसार के सरकारी स्कूलों बच्चों को आगे भविष्य में आगे कैसे बढने है इस बारे में जानकारियां देने का काम करेगी।

एक राष्ट्र-एक एक चुनाव होगा क्रांतिकारी कदम-भव्य बिश्नोई

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 05 मई। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी भव्य बिश्नोई ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव एक क्रांतिकारी कदम है, जो भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत, पारदर्शी और कुशल बना सकता है। इससे न केवल सरकार के कार्यों में निरंतरता आएगी, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता भी और ज्यादा सुदृढ़ होगी। वे आज आदमपुर आवास पर एक देश-एक चुनाव पर आयोजित संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान जिला संयोजक कृष्ण खटाना ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। भव्य बिश्नोई ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं, जिससे हमारा देश वैश्विक मंचों पर और ज्यादा मजबूत हुआ है। वन नेशन-वन एलेक्शन भी बहुत ही भारत जैसे अनेकता में ऐकता के संदेश को दुनिया के सामने लाने का सुनहरा निर्णय साबित होगा। एक राष्ट्र- एक चुनाव का मुख्य उद्देश्य लोकसभा ओर सभी राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ आयोजित करना है, ताकि समय, संसाधन और प्रशासनिक खर्चों की बचत हो सके तथा देशक` विकास कार्यों में निरंतरता बनी रहे। बार-बार चुनराव कराने में भारी प्रशासनिक खर्च और संसाधनों की बबार्दी होती है। एक साथ चुनाव से चुनावी खर्च में भारी कमी आएगी। बार-बार लगने वाली आदर्श आचार संहिता के कारण विकास परियोजनाएं रूक जाती हैं। एक साथ चुनाव होने से यह बाधा दूर होगी और सरकारें अपने विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगी। इस दौरान भव्य बिश्नोई ने आदमपुर दुकान नं. 107 पर हलकावासियों की समस्याएं सुनी तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से बातचीत करके जन समस्याएं दूर करने के निर्देश दिए। भव्य ने कहा कि आदमपुर में विकास कार्य प्रगति पर हैं। डी-प्लान, नए खाल निर्माण, खेतों के रास्ते, गांवों की मुख्य चौपालों में निर्माण, बिजली से संबंधित कार्यों सहित अनेक कार्यों को भेजा गया है, जिनके लिए विकास राशी जल्द ही जारी होगी। उन्होंने कहा कि आदमपुर मंडी में पब्लिक हैल्थ विभाग के कार्यों के चलते जो सडकें क्षतिग्रस्त हुई थी, उनका बजट संबंधित विभागों में जमा करवा दिया गया है। जल्द ही इन पर कार्य शुरू हो जाएगा। हलके के ज्यादातर गांवों में नई सडकों का निर्माण हो चुका है। अग्रोहा से आदमपुर और आदमपुर से झांझल सडक का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। इस दौरान विनोद ऐलावादी, जयवीर गिल, भूपेन्द्र पनिहार, आदमपुर मंडल अध्यक्ष चंद्रपाल भादू, बालसमंद मंडल अध्यक्ष रमेश बैनिवाल, काजला मंडल प्रधान राजेन्द्र सोनी, पवन जैन सहित बड़ी संख्या पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के 71वें जन्मदिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 05 मई। बरवाला के नव ज्योति दुर्गा मंदिर में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के 71वें जन्मदिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं यशस्वी जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि मनोहर लाल का जीवन समर्पण, सेवा और ईमानदारी का प्रतीक है और उनके जन्मदिवस को सेवा कार्यों से मनाना हम सभी के लिए गर्व की बात है। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और उनके इस मानवता पूर्ण योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने सभी युवाओं से अपील की कि वे भी आगे आकर ऐसे सेवा कार्यों में बढ़-चढक? भाग लें। इस अवसर पर जिला परिषद चैयरमैन सोनू सिहाग डाटा, पूर्व आईपीएस दलबीर भारती, भाजपा नेता रणधीर सिंह धीरु सहित क्षेत्र के अनेक सामाजिक कार्यकताओं, युवाओं ने भाग लिया।

न्यायिक परिसर नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई को

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 05 मई। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जारी दिशा निदेर्शानुसार व जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा के मार्गदर्शन में आगामी 10 मई को नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी जतिन गुजराल ने बताया कि 10 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें अधिक से अधिक लोग केस लगवाकर अपना केस का निपटारा करवाएं। उन्होंने बताया कि यदि आपका कोई विवाद कोर्ट में लंबित है या फिर कोई विवाद अभी कोर्ट में पहुंचा ही नहीं है और उसे आप आपसी समझौते से निपटना चाहते हैं तो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं ताकि 10 मई को आयोजित होने वाली लोक अदालत में आपके आपसी समझौते से केस का निपटारा किया जा सके।

सेहलंग में आज वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण पंजीकरण कैंप

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 05 मई। रेडक्रॉस समिति की ओर से प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र के तहत एलिम्कों के सहयोग से 6 मई को खंड कनीना के गांव सेहलंग में वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण पंजीकरण कैंप का आयोजन किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए रेडक्रॉस से डा. एसपी सिंह ने बताया कि वरिष्ठ नागरिक व दिव्यांगजनों को वॉकर, व्हीलचेयर, कान की मशीन, कमर व गर्दन की बेल्ट तथा अन्य सहायक उपकरण के लिए 6 मई को गांव सेहलंग में सुबह 10 बजे पंजीकरण कैंप का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि पंजीकरण कराने के लिए आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र की छाया प्रति व दो पासपोर्ट साइज फोटो लेकर आएं। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगजनों से आह्वान किया कि अधिक से अधिक संख्या में आकर सहायक उपकरण के लिए अपना पंजीकरण करवाएं।

किसानों द्वारा खरीदी गई सुपर सीडर मशीन की द्वितीय फिजिकल वेरिफिकेशन सात मई को

कृषि यंत्रों का खंड स्तर पर आयोजित होने वाला द्वितीय फिजिकल वेरिफिकेशन का शेड्यूल जारी

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 05 मई। उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के माध्यम किसानों द्वारा खरीदी गई सुपर सीडर मशीन की द्वितीय फिजिकल वेरिफिकेशन सात मई को होगी। खण्ड स्तरीय कमेटी द्वारा सात मई को खण्ड स्तर पर द्वितीय भौतिक सत्यापन करवाने के लिए शेड्यूल तैयार किया गया है। भौतिक सत्यापन में सफल पाए जाने वाले किसानों की बची हुई 30 प्रतिशत अनुदान राशि विभाग द्वारा किसानों के खातों में जारी कर दी जाएगी।

सहायक कृषि अभियन्ता नसीब सिंह धनखड़ ने बताया कि जिले के जिन किसानों ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा की आरकेवीवाई स्कीम वर्ष 2024-25 के फसल अवशेष प्रबंधन घटक के तहत सुपर सीडर मशीन खरीदी थी। उन किसानों के यंत्रों का पहला भौतिक सत्यापन 30 नवंबर 2024 को किया गया था। अब इन किसानों की सुपर सीडर मशीनों का द्वितीय चरण का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खंड कैरू में खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में सुबह 10 बजे द्वितीय भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इसी प्रकार से खंड लोहारू की अनाज मंडी में सुबह 11 बजे, खंड बहल की अनाज मंडी में दोपहर 12 बजे, सिवानी के नया बस स्टैंड में दोपहर बाद एक बजे, खंड तोशाम की अनाज मंडी में दोपहर बाद 2.30 बजे, बवानी खेड़ा खंड की अनाज मंडी में सुबह 10 बजे व खंड भिवानी के हुड्डा पार्क के पीछे कृषि विज्ञान केंद्र के पास दोपहर बाद 1.30 बजे भौतिक सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने किसानों का आह्वान किया है कि वे निर्धारित स्थान व समय पर अपने कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन करवाने हेतु पहुंचे।

एक देश, एक चुनाव लोकतंत्र की दिशा में एक निर्णायक कदम : सुनील बंसल

हरियाणा वाटिका एजेंसी

नोएडा। एक देश, एक चुनाव की अवधारणा लोकतंत्र को अधिक व्यावहारिक और व्यय-कुशल बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। बशर्ते इसके कार्यान्वयन की योजना व्यापक विचार-विमर्श और सर्वसम्मति से की जाए। यह बातें रविवार को नोएडा के सेक्टर-91 स्थित पंचशील बालक इंटर कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषयक प्रबुद्ध समागम में वर्तमान में 'एक देश, एक चुनाव' के राष्ट्रीय संयोजक और भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने कहीं।

रविवार को नोएडा के सेक्टर-91 स्थित पंचशील बालक इंटर कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषयक प्रबुद्ध समागम में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के राष्ट्रीय संयोजक श्री सुनील बंसल जी ने कहीं। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. डी.के. गुप्ता चेयरमैन फेलिक्स हॉस्पिटल, नोएडा) थे और संयोजक की भूमिका में पूर्व बार एसोसिएशन गौतम बुद्ध नगर के अध्यक्ष कालू राम चौधरी उपस्थित रहे।

सुनील बंसल जी ने कहा कि बार-बार के चुनाव से देश का विकास और जनकल्याण की योजनाएं बाधित होती हैं। विगत 30 सालों से देखें तो कोई ऐसा वर्ष नहीं रहा जिसमें किसी एक राज्य का चुनाव संपन्न नहीं हुआ हो। अनियंत्रित तरीके से होने वाले यह चुनाव देश की प्रगति में स्पीड ब्रेकर का काम करते हैं। हमें एक साथ चुनाव की प्रक्रिया अपनाकर, ऐसे गतिरोधकों

को उखाड़ना है।

इस सुधार को अपनाकर, देश के राजनीतिक एजेंडा में बड़ा बदलाव आएगा। क्योंकि चुनाव, विकास के मुद्दे पर होंगे और पांच साल में एक बार चुनाव होने से राजनेताओं की जवाबदेही बढ़ेगी। यह कोई नया विचार नहीं है बल्कि 1952 से लेकर 1967 तक चार चुनाव देश में इसी प्रक्रिया से संपन्न हुए हैं। सरकार की ओर से तैयार इस विधेयक के सभी पहलुओं पर गहन विचार विमर्श के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया था। समिति ने कुल 62 राजनीतिक दलों से इस प्रस्ताव पर सुझाव मांगे, जिसमें 47 दलों ने अपनी प्रतिक्रिया दी, 32 दलों ने समकालिक चुनाव के पक्ष और 15 ने इसका विरोध में राय दी।

चुनावी खर्च की ही बात करें तो एक अनुमान के मुताबिक केवल 2024 के लोकसभा चुनावों में ही एक लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए, जो देश के वित्तीय संसाधनों पर एक बड़ी लागत को दशार्ता है। इसके अतिरिक्त, एक रिपोर्ट के अनुसार यदि 2024 में देश में एकसाथ चुनाव हुए होते तो यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में 1.5 प्रतिशत अंकों की वृद्धि कर सकता था, जो भारतीय अर्थव्यवस्था में 4.5 लाख करोड़ रुपये जितना होता। ऐसा होने से एक ही बार में अधिकांश लोगों के चुनाव लड़ने से लोगों को अवसर मिलेगा। परिवारवादी पार्टियों को इससे दिक्कत हो सकती है लेकिन पांच साल में एक बार मतदान से वोट की ताकत बढ़ेगी। शासन प्रशासन में गुड गवर्नेंस को बढ़ावा मिलेगा। चुनावों के दौरान होने वाले प्रचार से वायु और ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है। बड़ी मात्रा में पोस्टर, बैनर और अन्य प्रचार सामग्री का उपयोग होता है, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है।

एक साथ चुनाव होने से इस प्रदूषण में भी कमी आएगी। बार-बार चुनावों से न केवल सरकारी तंत्र बल्कि आम जनता का भी समय और ऊर्जा खर्च होती है। एक साथ चुनाव कराने से लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए बार-बार अपने काम से छुट्टी नहीं लेनी पड़ेगी।

एक साथ होने वाले चुनाव दिला सकते हैं अधिक खर्च और समय से मुक्तिः

सुनील बंसल जी ने बताया कि एक देश एक चुनाव की धारणा नई नहीं है। क्योंकि आजादी के बाद वर्ष 1950 में देश गणतंत्र बना। वर्ष 1951-52 से 1967 के बीच लोकसभा के साथ ही राज्यों के विधानसभा चुनाव पांच वर्ष में होते रहे थे। अब भारत में कुल 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। जिनमें से अधिकांश की विधानसभाओं का कार्यकाल अलग अलग समय पर समाप्त होता है। ऐसे में देश में लगभग हर साल किसी न किसी राज्य में चुनाव होते रहते हैं। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के अनुसार पिछले एक दशक में लगभग हर साल औसतन 5 से 7 राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए हैं। जबकि लोकसभा चुनाव हर पांच वर्ष में एक बार होते हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव अक्सर असमय भंग होने, राष्ट्रपति शासन या विभिन्न कारणों से समय से पहले भी हो जाते हैं। भारत में करीब 99 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों पर लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए थे। वन नेशन वन इलेक्शन से इस खर्च में 30-35% तक की कमी आएगी।

इसी तरह राज्य विधानसभा चुनावों में भी प्रति राज्य औसतन 5000 से 10,000 करोड़ तक खर्च होता है। अगर सारे चुनाव एक साथ हों, तो चुनाव आयोग सरकार और राजनीतिक दलों के खर्चों में भारी कमी आएगी।

आईटीआई में आयोजित जॉब मेले में 509 छात्रों का चयन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 05 मई। राजकीय आईटीआई में आज जॉब मेला का आयोजन किया। जॉब मेले में कुल 509 छात्रों का चयन किया। मेले में 59 आईटीआई पासशुदा छात्रों तथा 450 अंतिम वर्ष के छात्रों का चयन लिखित परीक्षा व साक्षात्कार के माध्यम से किया। इस मौके पर जिला भाजपा अध्यक्ष यतेंद्र राव भी मौजूद थे।

आईटीआई प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के दिशा निदेर्शानुसार समय-समय पर जॉब मेलों का आयोजन किया जाता रहता है। इस मेला में ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज बहरोड, जिलैट इंडिया लिमिटिड भिवाड़ी, इंडिया निपोन इलेक्ट्रिक मसाणी, सिग्मा ग्लास गुरूग्राम तथा वीवीडीएन टेक्नोलॉजी मानेसर कंपनी के प्रतिनिधियों ने छात्रों का अप्रेंटिस के तौर पर चयन किया।

प्रधानाचार्य ने कम्पनी के प्रतिनिधियों का धन्यवाद किया तथा चयनित छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा बधाई दी।

इस अवसर पर संस्थान के शिक्षुता एवं प्लेसमेंट अधिकारी सुदर्शन कुमार, अधीक्षक सत्यनारायण सिंह, सुनील यादव, विरेन्द्र सेकवाल, राजेश, जगदीश, अमित, गुरदयाल, मनीषा, ग्रुप अनुदेशक तथा समस्त आईटीआई स्टाफ मौजूद था।

लोक अदालत के लिए नियुक्त किए आठ पीठासीन अधिकारी- 10 मई को आयोजित होगी लोक अदालत

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 05 मई। हरियाणा राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई को आयोजित की जाएगी। इस लोक अदालत की सुनवाई के लिए आठ पीठासीन अधिकारियों को नियुक्त किया गया है।

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया ने ये जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत की सुनवाई के लिए आठ पीठों का गठन किया गया है। भिवानी कोर्ट के अलावा तोशाम, लोहारू व सिवानी उपमंडल कोर्ट पर भी लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रधान न्यायाधीश (पारिवारिक न्यायालय) भिवानी जसबीर सिंह सिंधू, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश भिवानी मनीष कुमार, जोगेंद्र सिंह एसीजेएम भिवानी, अतंरप्रीत सिंह सीजे(जेडी)कम जेएमआईसी भिवानी, सीजे-जेडी-कम-जेएमआईसी भिवानी हार्दिक सचदेवा, मोहम्मद जकारिया खान एसीजे(एसडी)सह एसडीजेएम सिवानी, सुनील कुमार एसीजे(एसडी)कम एसडीजेएम तोशाम व देवेंद्र सिंह प्रथम एसीजे(एसडी)कम एसडीजेएम लोहारू को राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा लोक अदालत के केसों को लेने के लिए भी न्यायालय के जजों की ड्यूटी के साथ-साथ पैनल अधिवक्ताओं को भी जिम्मेवारी सौपी गई है।

टॉयलेट में धमाका होने से लोग सहम गए

हरियाणा वाटिका एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। यहां एक टॉयलेट में धमाका होने से लोग सहम गए। घटना के दौरान टॉयलेट में मौजूद एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने युवक को जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया है। बताया जा रहा है कि सीवर से अचानक मीथेन गैस निकलने के कारण जोरदार धमाका हुआ था। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

लोगों में दहशत का माहौल

ग्रेटर नोएडा सेक्टर-36 स्थित सी-364 मकान के पास शनिवार देर रात को मीथेन गैस विस्फोट से बड़ा हादसा हो गया। सीवर से अचानक मीथेन गैस निकलने के कारण जोरदार धमाका हुआ, जिसमें एक 16 वर्षीय एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया। घायल युवक को तुरंत जिम्स हॉस्पिटल, कासना में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि युवक शौच के लिए टॉयलेट की तरफ निकला था। युवक ने जैसे ही टॉयलेट का दरवाजा खोला, एक जोरदार धमाका हुआ जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

लोगों का कहना है कि ग्रेटर नोएडा का सीवर सिस्टम पूरी तरह फेल हो चुका है। पहले सीवर में वेंट पाइप लगाए जाते थे, जिनसे मीथेन जैसी खतरनाक गैस वायुमंडल में सुरक्षित रूप से निकल जाती थी। लेकिन अब ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे गैस पाइप के अंदर ही जमी रहती है और कभी भी धमाका कर सकती है। लोगों का आरोप है कि ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी से कई बार शिकायत की गई है, लेकिन अभी तक इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया है।

प्राधिकरण ने उप्र जल निगम के 22 साल पुराने एग्रीमेंट को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया

नोएडा। नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे समानांतर ग्रीन बेल्ट के दाय और बाय और चैनेज 10.30 किमी से 20 किमी तक गहरी सीवर लाइन की मरम्मत और इसको क्रियाशील करने का काम नोएडा प्राधिकरण करेगा। ये कार्य उप्र जल निगम को पूरा करना था। बतौर 2002 में इसके लिए नोएडा प्राधिकरण और उप्र जल निगम के बीच एमओयू साइन हुए थे।

"सीईओ लोकेश एम ने बताया कि प्राधिकरण ने 22 साल पुराने एग्रीमेंट को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। साथ ही ये काम अब प्राधिकरण 40 करोड़ में एक साल में पूरा कराएगा। जबकि इसी काम को जल निगम 63.36 करोड़ में 1.5 साल में पूरा करता। इसका फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि इस एरिया में लगातार इंडस्ट्री , संस्थागत, आवासी और ग्रामीण आबादी बढ़ रही है। यहां पहले डाली गई सीवरेज लाइन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। ऐसे में निकलने वाले सिवेज नोएडा एक्सप्रेस वे ग्रीन बेल्ट में जगह-जगह भर जाता है। यही वजह है कि कई बार एनजीटी में भी इसके खिलाफ याचिका दायर की जा चुकी है। साथ ही आईजीआरएस के जरिए भी लगातार शिकायत मिल रही है।

जल निगम के साथ क्या हुआ था एमओयू इस कार्य को करने के लिए करीब 22 साल पहले उप्र जल निगम के साथ 2002 में 9833 लाख रुपए का एमओयू साइन किया गया था। बात में समय के साथ एमओयू साइन करते हुए

कुल 14058 लाख रुपए इस योजना के लिए स्वीकृत किए गए। योजना के तहत नोएडा एक्सप्रेस वे के दोनों ओर 8 सिवेज पंपिग स्टेशन , 2 मास्टर सिवेज पंपिंग स्टेशन और दोनों तरफ 20-20 किमी गहरी सीवर का निर्माण किया जाना था।

इस निर्माण के लिए उप्र जल निगम को नोएडा प्राधिकरण ने 14009 लाख का भुगतान 2014 तक किया गया। स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष 49.27 लाख का भुगतान शेष था।

प्राधिकरण ने पैसा दिया लेकिन काम अधूरा इस एमओयू और पैसा देने के बाद भी अब तक एडवंट टावर सेक्टर-142 से आगे इंटरमीडियट पंपिंग स्टेशन 1,2,5,6 व गहरी सीवर , प्रेशर मेन लाइन की टेस्टिंग व हैंडओवर जल निगम ने प्राधिकरण को नहीं किया।

जबकि एग्रीमेंट के तहत नोएडा ग्रेटरनोएडा एक्सप्रेस वे के एलएचएस व आरएचएस में बायी तरफ चार इंटरमीडियट पंपिंग स्टेशन व एक मास्टर पंपिंग स्टेशन सेक्टर-142 व दायी तरफ चार आईपीएस एक एमएसपीएस सेक्टर-168 का सिवेज का निपटारा एसटीपी-168 के साथ ग्रेविटी लाइन एराइजिंग मेल लाइनों का शोधित किया जाना भी शामिल था। इससे नोएडा एक्सप्रेस के साथ समस्त सेक्टर व ग्रामों का निकलने वाले सीवेज का शोधित शामिल था।

प्राधिकरण ने बताया कि एग्रीमेंट के तहत एडवांट टावर से ग्रेटरनोएडा बार्डर तक दोनों तरफ चारों आईपीएस का निर्माण जल निगम ने नहीं कराया। महज ग्रेविटी लाइन , राइजिंग लाइन व आरसीसी वेल का निर्माण किया गया। इसी बीच एक्सप्रेस वे तीनों अंडरपास , नोएडा मेट्रो की एक्वा लाइन और डीएफसीसीआईएल की लाइनों को डाले के पहले ही ग्रेविटी लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। ये लाइन 2003-04 में डाई गई थी जो पूरी तरह से अक्रियाशील है।

पिथौरागढ़ यानी 'छोटा कश्मीर'

कितनी खूबसूरत ये तस्वीर है, मौसम बेमिसाल-बेनजीर है, ये कश्मीर है... ' जी हाँ कश्मीर के बारे में कुछ ऐसा ही गाया और गुनगुनाया जाता है। पर हम बात कर रहे हैं 'छोटे कश्मीर' की। आप रिवर राफ्टिंग, हेंड-ग्लाइडिंग या स्कीइंग के शौकीन हैं तो आपको यह जगह जरूर पसंद आएगी।

यहाँ आकर आप शहरी भाग-दौड़, गर्मी और उमस भरे माहौल को भूल जाएँगे। प्रकृति की गोद में चैन के कुछ पल बिताने को मिले तो मन को सुकून मिलता है। हम बात कर रहे हैं उत्तर भारत का छोटा कश्मीर कहे जाने वाले उत्तराखंड राज्य के हिल स्टेशन पिथौरागढ़ की।

यहाँ की हरी-भरी वादियों में आकर आपको हर वह चीज मिलेगी जो कश्मीर में मिल सकती है। पिथौरागढ़ के आस पास बहुत सी झीलें, हरी-भरी पहाड़ियाँ और ऊँचे-नीचे घुमावदार रास्ते मन को एक नजर में ही भा जाते हैं। ठंडी हवाओं के झोंके दिल्ली की गर्मी को भुला देते हैं। मन करता है कि यहीं बस जाएँ। रंगबिरंगे फूल-पत्तियाँ, हरी-हरी नर्म, मुलायम घास की ऊँची-नीची परत पर नंगे पैर चलने से तन और मन दोनों को ताजगी मिलती है। जोलिंगकॉग और अंछेरीताल झील विशेष तौर पर मशहूर हैं। यहाँ से 20 किलो मीटर की दूरी पर पूर्णागिरि नामक धार्मिक स्थल है। यहाँ लोग दूर-दूर से दर्शन करने के लिए आते हैं। कुछ किलोमीटर की दूर पर सिखों का धार्मिक स्थल रीठा साहिब लोहाघाट में स्थित है।

आप पिथौरागढ़ में कुछ ज्यादा दिन के लिए रुके हैं तो यहाँ से आप बलेश्वर जा सकते हैं। यह प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। चंपावत से 22 किमी और लोहाघाट से 9 किमी की दूरी पर स्थित है मायावती आम। यहाँ का अद्वैत आम भी अध्यात्म के लिए देश-विदेश में मशहूर है। यहाँ का 'अबूत पर्वत' पहाड़ों का सौंदर्य देखने का प्रमुख स्थल है। यहाँ से घाटी की मनोहारी झाँकी देखने को मिलती है। लोहाघाट से 45 किमी की दूरी पर स्थित देवीधारा का वराशी मंदिर मशूहर जगह है। यहाँ रक्षा बंधन के दिन हर साल दो पक्षों में परंपरागत एक दूसरे पत्थर फेंकने के खेल का आयोजन किया जाता है। यहाँ से सात किमी की दूरी पर स्थित वाणासुर का किला यहाँ के मशहूर पर्यटक स्थलों में से हैं।

सड़क मार्ग से दिल्ली से पिथौरागढ़ की दूरी 496 किलोमीटर है। गाजियाबाद, गजरौला, मोरादाबाद, रामपुर, बिलासपुर, रुद्रपुर, हल्द्वानी, काठगोदाम, भीमताल, पदमपुरी, शिलालेख, चिल्का चाइना आदि रास्ते में पड़ते हैं। यहाँ आकर ठहरने की समस्या नहीं है। दिल्ली, अल्मोड़ा और नैनीताल से यहाँ के लिए नियमित बस सेवाएँ हैं।

कश्मीर का सौंदर्य डल झील

पर्यटक शिकारों में बैठे डल झील की खूबसूरती को देख रहे थे। तीन दिशाओं से पहाड़ियों से घिरी डल झील जम्मू-कश्मीर की दूसरी सबसे बड़ी झील है। भारत की सबसे सुंदर झीलों में इसे शुमार किया जाता है। पर्यटक जम्मू-कश्मीर आएँ और डल झील देखने न जाएँ ऐसा हो ही नहीं सकता। पौराणिक मुगल किलों में यहाँ की संस्कृति तथा इतिहास के दर्शन होते हैं।

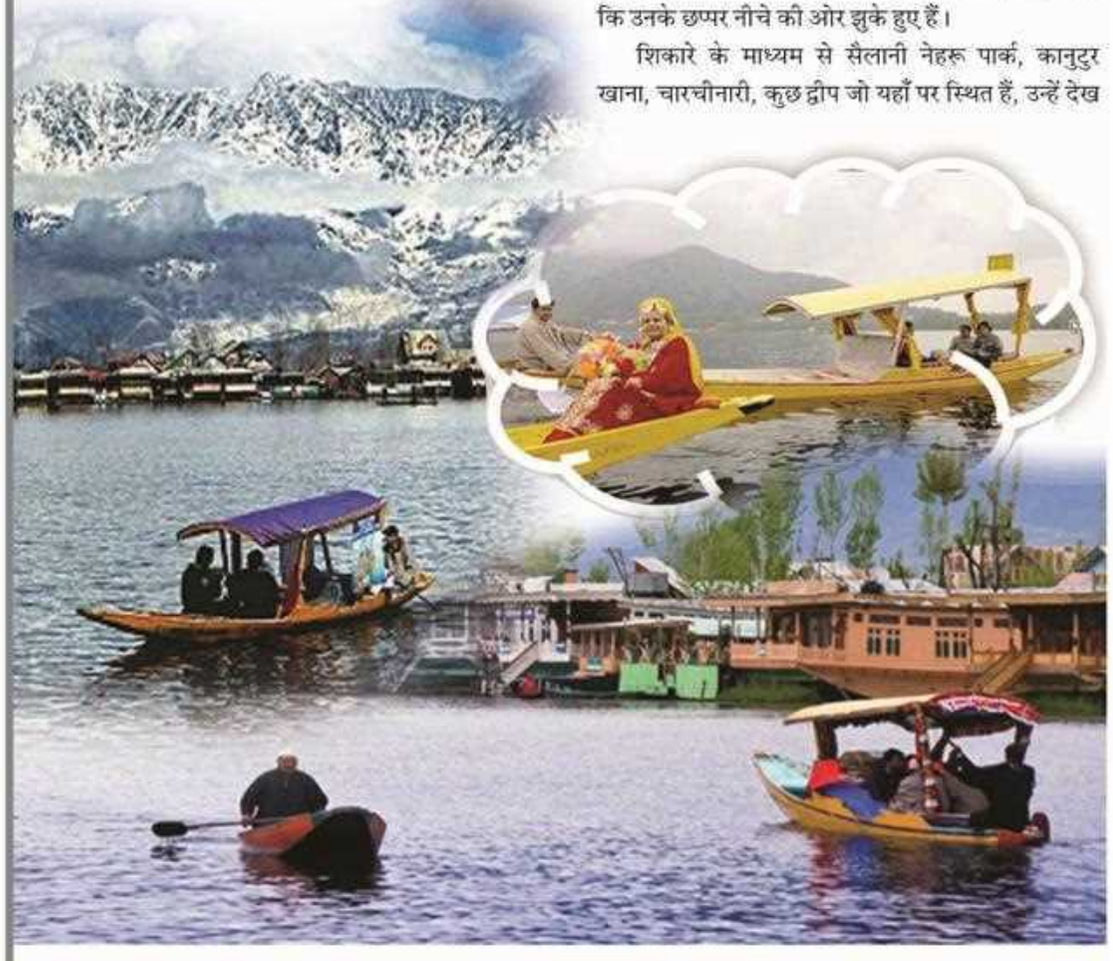

डल झील के पास ही मुगलों के सुंदर एवं प्रसिद्ध पुष्प वाटिका से डल झील की आकृति और उभरकर सामने आती है। मुख्य रूप से इस झील में मछली पकड़ने का काम होता है। डल झील के मुख्य आकर्षण का केन्द्र है यहाँ के हाउसबोट। सैलानी इन हाउसबोटों में रहकर इस खूबसूरत झील का आनंद उठा सकते हैं।

यह झील, कश्मीर की घाटियों की अन्य धाराओं के साथ मिल जाती है। झील के चार जलाशय हैं गगरीबल, लोकुट डल, बोड डल तथा नागिन। लोकुट डल के मध्य में रूप लंक द्वीप स्थित है तथा बोड डल जलधारा के मध्य में सोना लंक स्थित है।

वनस्पति डल झील की खूबसूरती को और निखार देती है। कमल के फूल, पानी में बहती कुमुदनी, झील की सुंदरता में चार चाँद लगा देती है। सैलानियों के लिए विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के साधन यहाँ पर उपलब्ध हैं जैसे कि कायाकिंग (एक प्रकार का नौका विहार), केनोइंग (डोंगी), पानी पर सर्फिंग करना तथा ऐगलिंग (मछली पकड़ना)।

कश्मीर के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय झील के तट पर स्थित है। हाउसबोट में रहकर सैलानी इस झील के खूबसूरत वातावरण से भावविभोर हो जाते हैं। कैमरे के माध्यम से पर्यटक यहाँ की खूबसूरती को कैद करना चाहते हैं तो हरियाली के मध्य में निवास स्थान हैं जिनकी विशेषता यह है कि उनके छप्पर नीचे की ओर झुके हुए हैं।

शिकारे के माध्यम से सैलानी नेहरू पार्क, कानुटुर खाना, चारचीनारी, कुछ द्वीप जो यहाँ पर स्थित हैं, उन्हें देख सकते हैं। श्रद्धालुओं के लिए हज़रतबल तीर्थस्थल के दर्शन करे बिना उनकी यात्रा अधूरी रह जाती है। शिकारे के माध्यम से श्रद्धालु इस तीर्थस्थल के दर्शन कर सकते हैं।

क्या आपने कभी जलाशय पर शिकारे से शॉपिंग की है। आप एक शिकारे पर सवार होकर विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ खरीद सकते हैं। और दुकानें भी शिकारों पर ही लगी होती हैं। यह मात्र खरीददारी तक ही सीमित नहीं है, परन्तु एक रोमांचित कर देने वाला खेल भी होगा। यदि पर्यटक डल झील पहुँचना चाहते हैं तो श्रीनगर जिले से 25 किमी की दूरी पर बड़गाम जिले में स्थित एयरपोर्ट पर पहुँच सकते हैं। नजदीकी रेल सेवा जम्मू में स्थित है तथा वहाँ का नेशनल हाईवे एनएच1ए कश्मीर घाटी को देश के अन्य भागों से जोड़ता है। इन पहाड़ी इलाकों पर यात्रा करने के लिए दस से बारह घंटे लगते हैं। इस सफर के दौरान पर्यटक यहाँ के प्रसिद्ध जवाहर टनल को निहार सकते हैं।

चैल को बनाएँ गर्मियों की राजधानी

राजधानी की रिकार्ड तोड़ गर्मी से दूर ठंडी आवाओं के झोंको में हरी मखमली घास पर बैठकर शांति के कुछ पलों की तलाश में लोग पहाड़ों का रूख करने लगे हैं। आप भी दिल्ली-एनसीआर के आस पास कहीं जाना चाहते हैं तो आपके लिए'चैल' एक अच्छा ठिकाना हो सकता है। शिमला से 43 किलोमीटर दूर इस मनभावन जगह को आप अपनी गर्मियों की राजधानी बना सकते हैं।

यहाँ के शांत वातावरण में जब चिड़ियों की चहचहाहट होती है तो मन को अपार सुकून मिलता है। एकांत चाहने वालों को यहाँ का 'लवर्स हिल' खूब पसंद आता है। महाराजा भूपिंदर सिंह द्वारा बनवाया गया सिद्ध बाबा का मंदिर भी बहुत प्रसिद्ध है और लोग दूर-दूर से यहाँ आते हैं। कालका-शिमला रेल मार्ग पर कालका से टॉय ट्रेन से शिमला तक पहुँचा जा सकता है। जो लोग हरी-भरी वादियों के बीच से ट्रेन में बैठकर गुजरना चाहते हैं उनके लिए यहाँ आनंद ही आनंद है। यह ट्रेन कंडाघाट तक पहुँचने में पाँच घंटे का समय लेती है। सड़क मार्ग जाने के लिए कालका-कंडाघाट के रास्ते जाया जा सकता है।

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोनः01252-259260, 9255149495, ईमेलः haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिकाः- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।